RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : Highly Qualified And Trained Faculty, Well Equipped Labs, CCTV Controlled Environment, Activity Based Learning, Well Equipped Library, GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 264 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 15 सितंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

दो दिन बाद दूंगा दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज पार्टी ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सबको चौंकाते हुए दो दिन में इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा, 'मैं दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। जब तक जनता अपना फैसला नहीं दे देती, मैं सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा...मैं हर घर और गली में जाऊंगा और जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना दे कि केजरीवाल ईमानदार है, तब तक सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा'

केजरीवाल ने अपने संबोधन में कहा, हमने बड़े दुश्मनों से लड़ाई लड़ी है। हमारे नेता सत्येंद्र जैन, अमानतुल्ला खान अभी भी जेल में हैं, उम्मीद है कि वे जल्द ही बाहर आ जाएंगे। आगे उन्होंने कहा, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को उनके साथियों से मिलने की अनुमति दी जाती थी, लेकिन मेरे पार्टी सहयोगी संदीप पाठक को मुझसे मिलने की अनुमति नहीं दी गई।

केजरीवाल ने कहा, 'भगत सिंह को बटुकेश्वर नाथ के साथ अंग्रेजों ने रखा था क्योंकि दोनों एक ही अपराध में आरोपी थे। लेकिन यहाँ मुझे और मनीष सिसोदिया को अलग अलग जेल में रखा गया। मुझसे मिलने के लिये संदीप पाठक आये तो हमने राजनीति चर्चा की। इस पर उन्हें बैन कर दिया गया।'

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने इस्तीफा इसलिए नहीं दिया क्योंकि वह लोकतंत्र को बचाना चाहते थे भाजपा आज पार्टियों को तोड़ रही है। चुनी हुई सरकार के नेताओ पर फ़र्ज़ केस लगाकर उन्हें जेल में डालती है, लेकिन इस्तीफ़ा नहीं देने से भाजपा का यह प्लान फेल हो गया। अरविंद केजरीवाल ने सभी नेताओ से अपील की है कि वह फर्जी केस लगाने पर इस्तीफ़ा न दें।

केजरीवाल के संबोधन से पहले दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा, 'भाजपा देश का सबसे बड़ा राजनीतिक कुचक्र रच रही थी कि एक चुने हुए मुख्यमंत्री और उसकी टीम को जेल में डालो और उसकी पूरी पार्टी को खत्म कर दो। अगर आप सच्चाई के रास्ते पर चल रहे हो तो आप ईश्वर के रास्ते पर चल रहे हो। जब आप ईश्वर के रास्ते पर चल रहे तो ईश्वर की ताकत आपके साथ होती है। आज ईश्वर की ताकत हम सबके साथ है। भाजपा वालों ने शराब घोटाला नाम की मनोहर कहानी लिखी थी उसका आखिरी पूर्ण विराम सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत देकर लगा दिया।'

इससे पहले दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा, 'आप एक बहुत बड़े संघर्ष के दौर से गुजरी है, जहां भाजपा की केंद्र सरकार ने हर संभव कोशिश की आप को दबाने की, आप को तोड़ने की लेकिन उसकी हर कोशिश असफल हो गई।'

इस दौरान संजय सिंह ने कहा, आम आदमी पार्टी को बदनाम करने, झुकाने और तोड़ने के लिए तानाशाह नरेंद्र मोदी और बीजेपी ने हजारों कुचक्र रचे, लेकिन अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में उन सभी कुचक्रों को नाकाम किया गया।

प्रधानमंत्री ने मधुपुर बाइपास लाइन और हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की रखी आधारशिला

इस शुभ दिन झारखंड को विकास का नया आशीर्वाद मिला : मोदी

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज झारखंड के रांची से 660 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं की वर्चुअल (डिजिटल या ऑनलाइन) माध्यम से शुरुआत की। पीएम मोदी ने देवघर जिले में मधुपुर बाइपास लाइन और हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने कुरकुरा-कनारोन दोहरीकरण परियोजना भी राष्ट्र को समर्पित की। यह बंडामुंडा-रांची एकल लाइन खंड और रांची, मुरी एवं चंद्रपुरा स्टेशन के माध्यम से गुजरने वाले राउरकेला-गोमोह मार्ग का हिस्सा है। इस दौरान पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने कान पर एक जावा लगा रखा था। इससे जुड़ा दिलचस्प किस्सा खुद उन्होंने लोगों को बताया।

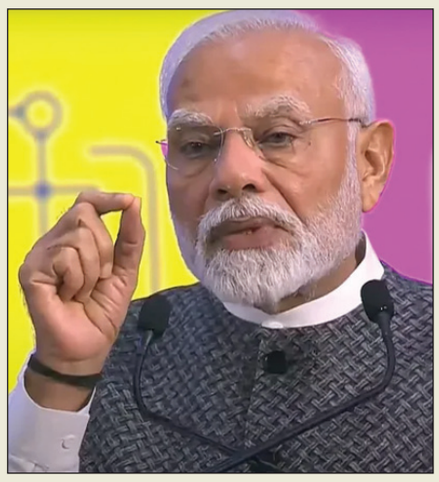

उन्होंने कहा कि आज बहुत ही मंगल दिन है। इस समय झारखंड में प्रकृति पूजा के पर्व कर्मा की उमंग है। आज सुबह जब मैं रांची एयरपोर्ट पर पहुंचा तो एक बहन ने करमा पर्व के प्रतीक जावा से मेरा स्वागत किया। इस पर्व में बहनें अपने भाई की कुशलता की कामना करती हैं। मैं झारखंड के लोगों को करमा पर्व की बधाई देता हूं। आज इस शुभ दिन झारखंड को विकास का नया आशीर्वाद मिला है। छह नई वंदे भारत ट्रेनें, 650 करोड़ से ज्यादा की रेलवे परियोजनाएं, कनेक्टिविटी, यात्रा सुविधाओं में सुधार और इन सब के साथ-साथ झारखंड के हजारों लोगों को पीएम आवास योजा के तहत अपना पक्का घर, मैं झारखंड की जनता जर्नादन को इन सभी विकास कार्यों के लिए बधाई देता हूं।

देश की प्राथमिकता देश का दलित, वंचित और पिछड़ा समाज

पीएम मोदी ने कहा कि अब देश की प्राथमिकता देश का गरीब है। अब देश की प्राथमिकता देश का आदिवासी है। अब देश की प्राथमिकता देश का दलित, वंचित और पिछड़ा समाज है। अब देश की प्राथमिकता महिलाएं हैं, युवा हैं, किसान हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार से इस पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इन ट्रेनों से कारोबारियों, छात्रों को बहुत लाभ होगा। इससे यहां आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियां भी तेज होंगी। पीएम ने कहा कि देशभर के आदिवासी भाई-बहनों के लिए पीएम जनमन योजना चलाई जा रही है। इस योजना के माध्यम से उन जनजातियों तक पहुंचने की कोशिश हो रही है, जो बहुत पिछड़े हैं।

रेलवे नेटवर्क का 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज झारखंड भी उन राज्यों में शामिल हो गया है, जहां रेलवे नेटवर्क का 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड के 50 से अधिक रेलवे स्टेशनों का भी कायाकल्प किए जा रहे हैं।

डीएम का 'एक्स' अकाउंट हैक करने वाला गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-20 पुलिस टीम ने गौतमबुद्ध नगर के डीएम के एक्स हैंडल को हैक कर टिप्पणी करने के मामले में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान अलीगढ़ अतरौली के सोहन सिंह के रूप में हुई है। जिलाधिकारी की ओर से जिला सूचना अधिकारी ने मुकदमा दर्ज कराया था। साइबर सेल मामले की जांच कर रही थी।

मामले में कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय गृह मंत्रालय को टैग करते हुए कहा कि क्या अब बीजेपी शासन में आईएएस अधिकारियों को ऐसी राजनीतिक टिप्पणियां करने का आदेश दिया गया है?

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने डिलीट किए गए पोस्ट का स्क्रीनशाट पोस्ट किया और कहा, वह डीएम नोएडा हैं, वह पूरे जिले के लिए जिम्मेदार हैं। राहुल गांधी के बारे में उनकी भाषा और विचार देखे जाने चाहिए। यह स्पष्ट है कि प्रशासनिक अमला भाजपा की विचारधारा वाले लोगों से भरा हुआ है, और अब वे संवैधानिक पदों पर बैठकर नफरत फैला रहे हैं। शनिवार को कांग्रेसियों ने कलक्ट्रेट में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी के अवकाश पर होने के कारण अपर जिलाधिकारी ने उनकी बात सुनी। जिलाधिकारी से वार्ता कराने का आश्वासन दिया। कांग्रेसियों ने कहा कि मामले ने तूल पकड़ा तो जिलाधिकारी के एक्स पर टिप्पणी हटाने के साथ ही अकाउंट हैक करने वाले के खिलाफ एफआईआर करा दी गई।

फ्री एक्यूप्रेशर एक्यूपंचर कैंप का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पंजाबी समाज ने आरोग्य हीलिंग सेंटर के सौजन्य से सेक्टर-30 कम्यूनिटी सेंटर में फ्री एक्यूप्रेशर एक्यूपंचर कैंप का आयोजन किया गया। जिसके अंदर सर्वाइकल, ओजन शोल्डर, पैरालिसिस, माइग्रेन लंबर स्पॉन्डिलाइटिस, अर्थराइटिस, टेलबॉन पेन, साइनसाइटिस पीठ का दर्द, सयाटिका, स्लिप डिस्क, वेरीकोज वेनस डेफ एंड डंब चिल्ड्रन इन सभी रोगों से पीड़ित लोगों का फ्री इलाज किया जा रहा है। पंजाबी समाज के विपिन मलहन तथा जनरल सेक्रेटरी टी. एस अरोड़ा का कहना है कि नोएडा पंजाबी समाज जगह-जगह पर इस प्रकार के फ्री एक्युप्रेशर एंड एक्यूपंचर कैंप लगता रहेगा।

विकास के लिए नोएडा प्राधिकरण ने की स्थानीय लोगों के सहभागिता की शुरुआत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने अब विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय स्थानीय नागरिकों को क्षेत्र के विकास की मुख्यधारा में शामिल करने की पहल कर दी है शनिवार को प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ लोकेश एम ने ऐसे आधा दर्जन से अधिक लोगों के साथ बैठक कर भविष्य की योजनाओं पर न केवल चर्चा की बल्कि उनकी सहभागिता भी तय कर दी।

नोएडा प्राधिकरण के इतिहास में संभवत: पहली बार निश्चित दायरे से निकलकर क्षेत्र की अवस्थापना और नगरीय सुविधाओं को लेकर एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का महत्व इस बात से आंका जा सकता है कि स्वयं मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ लोकेश एम ने प्राधिकरण क्षेत्र के ऐसे लोगों को आमंत्रित किया जो विधि, समाजसेवा, उद्योग आदि विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये लोग थे मदनलाल, गोविंद लाल, श्रीमती मरियम अली, रंजन तोमर, विपिन मल्हन, डॉ आलोक सिंह, अभिष्ट कुसुम गुप्ता, योगेश शर्मा और केहर सिंह।सीईओ ने इन लोगों से खेल, कला,जल संकाय, आवारा और पालतू जानवरों के संरक्षण आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। विभिन्न खेलों की सुविधा विकसित करने के लिए इन्हीं लोगों से भारतीय खेल विकास प्राधिकरण से संपर्क करने तथा स्टेडियम को स्वयं सक्षम बनाने के लिए सुझाव देने को भी कहा गया। निजी लोगों अथवा संस्था द्वारा चलाए जा रहे डॉग शेल्टरों में मिल रही अनियमितताओं की शिकायत के चलते इनकी निरंतर निगरानी करने का निर्णय भी लिया गया। उल्लेखनीय है कि यूपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एक्ट 1976 के तहत गठित सभी विकास प्राधिकरणों को उनके लिए अधिसूचित क्षेत्र के समग्र विकास और नगरीय सुविधाओं की जिम्मेदारी तो दी गई है परंतु इसके लिए नागरिकों या जनप्रतिनिधियों तक को कोई भूमिका नहीं दी गई है। हालांकि एक उपबंध के द्वारा प्राधिकरण बोर्ड में चार नागरिकों को सदस्य मनोनीत किया जा सकता है परंतु अधिकारियों द्वारा ऐसा कभी नहीं किया जाता है। नोएडा प्राधिकरण के वर्तमान मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ लोकेश एम के द्वारा की जा रही यह पहल न केवल स्वागत योग्य है बल्कि अन्य प्राधिकरणों के लिए भी नजीर बन सकती है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 334608 वादों का निस्तारण

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मुख्यालय व तहसील स्तर पर जनपद न्यायाधीश अवनीश सक्सेना की अध्यक्षता में दीवानी न्यायालय गौतमबुद्धनगर में किया गया। जिसमें जनपद न्यायालय में कार्यरत न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल 134468 वाद तथा प्री-लिटिगेशन स्तर पर राजस्व न्यायालय द्वारा 86695 मामले तथा बैंक द्वारा 216 मामलें, एन0पी0सी0एल0 द्वारा 112 मामलें व यू0पी0पी0सी0एल द्वारा 2250 मामलें तथा श्रम न्यायालय द्वारा 496 मामलें व धनराशि 54350629 है, पुलिस विभाग द्वारा 4737 मामलों का निस्तारण किया गया। बी0एस0एन0एल0 द्वारा 73 मामलें तथा तथा यातायात विभाग द्वारा 81290 मामलों का निस्तारण किया गया तथा परिवहन विभाग द्वारा 22615 मामलों का निस्तारण किया गया। इस प्रकार प्री-लिटिगेशन के 200140 मामलें निस्तारित हुये। ॠचा उपाध्याय, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि जनपद गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 334608 वाद निस्तारित हुये।

अवनीश सक्सेना, जिला जज 02 वादों का निस्तारण किया गया। मयंक चैहान, भूमि अर्जन पुनर्वासन एंव पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण द्वारा 22 वाद हैं। कुनाल वेपा, पीठासीन अधिकारी, मोटा दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा 36 वाद व समझौता धनराशि 29321545 है। बुद्धि सागर मिश्रा, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय द्वारा 32 वाद है। श्रीमती प्रतिक्षा नागर, अपर जिला जज-प्रथम द्वारा 03 वाद है। विकास नागर, अपर जिला जज, पोक्सो कोर्ट प्रथम द्वारा 01 वाद हैं। विजय कुमार हिमॉशु, अपर जिला जज द्वितीय विशेष न्यायाधीश, (एस0सी0 एस0टी एक्ट) द्वारा 07 वाद है। संजय सिंह, अपर जिला जज-तृतीय द्वारा 15 वाद है। चन्द्र मोहन श्रीवास्तव अपर जिला जज, पोक्सो कोर्ट प्रथम द्वारा 575 वाद व जुर्माना 6508980 है। श्रीमती बुशरा आदिल रिजवी, अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय द्वारा 12 वाद हैं। राजेश कुमार मिश्रा, अपर जिला जज-षष्टम द्वारा 01 वाद है। सौरभ द्विवेदी, अपर जिला जज/पोक्सो-द्वितीय द्वारा 60 वाद है। रणविजय प्रताप सिंह, अपर जिला जज/एफटीसी-प्रथम द्वारा 12 वाद है। श्रीमती बबीता पाठक मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा. 23894 वाद व जुर्माना धनराशि 4858040 हैं। मयंक त्रिपाठी सिविल जज सी0डि0 द्वारा 34 वाद व समझौता धनराशि 24756348 हैं। श्रीमती शिवानी त्यागी, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-प्रथम द्वारा 1590 वाद है। रवि कुमार सागर, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-द्वितीय द्वारा 1231 वाद व जुर्माना धनराशि 155350 है।

पानीपत विधानसभा क्षेत्र के एआईसीसी कॉर्डिनेटर बने रामकुमर तंवर

नोएडा (चेतना मंच)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व नोएडा महानगर अध्यक्ष चौ. रामकुमार तंवर को हरियाणा चुनाव में एआईसीसी की तरफ़ से पानीपत शहर में चुनाव एआईसीसी कोडिनेटर के रूप में नियुक्त किया गया है। रामकुमार तंवर को मिली इस महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी के लिए उन्होंने कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर रामकुमार तंवर ने कहा कि जो ज़िम्मेदारी कांग्रेस पार्टी ने मुझे दी है उसका में निष्ठा पूर्वक निर्वाहन करूँगा ओर कांग्रेस के हमारे प्रत्याशी को पानीपत शहर में भारी मतो से विजय दिलवाने में अपना योगदान देते हुए हर संभव प्रयास करेंगे। जनता के आशीर्वाद से हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनना तय है।

सदस्यता अभियान में जुट जाएं कार्यकर्ता : हरवीर पाल

नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम गेझा पर सुधीर अवाना जिला उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा नोएडा महानगर के आवास पर पश्चिम उत्तर प्रदेश ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष हरवीर पाल का स्वागत किया और उनके साथ भाजपा सदस्यता अभियान को डोर टू डोर चलाया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष हरवीर पाल ने कहा कि ओबीसी मोर्चा के सभी पदाधिकारी तथा सदस्य भाजपा के सदस्यता अभियान में जुट जाए तथा अधिक से अधिक सदस्य बनाकर भाजपा को फिर दुनियां की सबसे बडी पार्टी बनाने मे अपनी भूमिका निभाएं। इस अवसर पर रोहित चौधरी पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी,जिला अध्यक्ष उमेश पहलवान ,जिला उपाध्यक्ष सुधीर अवाना , जिला उपाध्यक्ष राम किशन यादव ,जिला उपाध्यक्ष जयप्रकाश प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष यश नगर ,जिला महामंत्री भगत भाटी ,जिला महामंत्री सतेंद्र सिरोही , जिला मीडिया प्रभारी विनीत प्रजापति, कालीचरण प्रजापति, इंदू यादव, सुरेंद्र बंसल, संदीप अवाना आदि मौजूद रहे।

भंगेल एलिवेटेड रोड की डिजाइन में बड़ा बदलाव

नोएडा (चेतना मंच)। डीएससी रोड पर बन रहे भंगेल एलिवेटेड के डिजाइन में किए गए बदलाव को आईआईटी रुढ़की ने पास कर दिया है। शासन की ओर से प्राधिकरण को निर्देश था कि किसी नेशनल एजेंसी से डिजाइन को पास कराया जाए।

प्राधिकरण ने आईआईटी को ये डिजाइन भेजा था। जिसके तहत एलिवेटेड रोड की चौड़ाई आधा मीटर कम की जाएगी। यह चौड़ाई एलिवेटेड के पियर संख्या 121 से 124 तक करीब 90 मीटर तक कम होगी। इसके बाद चौड़ाई सामान्य हो जाएगी। इसकी वजह एलिवेटेड के निर्माण में दो भवन का आना है। इन भवनों को भी करीब डेढ़ फीट तक तोड़ा जाएगा। प्राधिकरण बोर्ड ने सिविल विभाग के इस प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। इसके बाद इसकी फाइल कापी आईआईटी रुढ़की को भेजी गई थी। वहां से डिजाइन और बजट दोनों को अप्रूवल दे दिया गया है।

भंगेल एलिवेटेड पर इसी अनुसार काम शुरू किया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री का कहना है कि डीएससी रोड पर जंक्शन नंबर 10,11,12 के ऊपर बरौला व भंगेल एवं सेक्टर-42, सेक्टर 48, सेक्टर 49, सेक्टर 101, सेक्टर 107 के पास 6 लेन की 5.50 किमी की एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जा रहा है। एक बहुमंजिला इमारत आने के बाद इस काम में बाधा आ गई थी। अब 90 मीटर तक करीब आधा मीटर चौड़ाई कम की जाएगी। इस एलिवेटेड के निर्माण में करीब 500 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किया जा रहा है।

डेढ़ फीट तक तोड़ी जाएंगी इमारत

पहले प्राधिकरण ने समाधान निकाला था कि सिर्फ एलिवेटेड के स्ट्रक्चर को जगह देने के लिए तोड़फोड़ की जाए। ऐसा होने पर दोनों इमारतें करीब 2.5 मीटर टूट रही थीं। इससे इनकी छतें भी टूटतीं। अब तैयारी यह है कि यहां पर कम तोड़फोड़ करने के लिए करीब 90 मीटर की लंबाई में आधा मीटर चौड़ाई कम कर दी जाएगी।

यह चौड़ाई दोनों तरफ की सड़क की कम होगी। डेढ़ फीट तक इमारत के एक हिस्से को तोड़ा जाएगा। जिससे उसके स्ट्रक्चर और एलिवेटेड के स्ट्रक्चर पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बता दे की एलिवेटेड रोड का निर्माण जून-2020 में शुरू हुआ था। अनुबंध के मुताबिक 7 दिसंबर 2022 तक पूरा होना था। लेकिन विवाद के कारण काम बंद था।

डॉक्टरों की सुरक्षा

कोलकाता में डॉक्टर अब भी काम पर नहीं लौटे हैं। बंगाल सरकार ने संवाद और समझौते का जो प्रयास किया था, वह आंदोलनकारी डॉक्टरों की जिद ने नाकाम कर दिया। एक नाटकीय घटनाक्रम जरूर सामने आया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाथ जोड़कर, बंगाल की जनता से माफी मांगी है। यदि जनता चाहेगी, तो वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा तक देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि वह 'कुर्सी की भूखी' नहीं हैं, बल्कि न्याय की पक्षधर हैं। हालांकि रेप-मर्डर की शिकार डॉक्टर बिटिया के माता-पिता और आंदोलनकारी डॉक्टरों ने कभी भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग नहीं की। इसे विपक्षियों ने मुद्दा बनाकर राजनीति करने की कोशिशें की हैं। डॉक्टरों का न्याय अलग किस्म का है, ताकि डॉक्टर बिटिया की आत्मा को सुख, शांति मिल सके। डॉक्टर मुख्यमंत्री से संवाद करने सचिवालय गए थे। उनकी संख्या 32 बताई गई है, जबकि सरकार ने 15 डॉक्टरों को ही, प्रतिनिधि के तौर पर, आमंत्रित किया था। बहरहाल बंगाल सरकार ने उस संख्या को भी अनुमति दे दी। राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार डॉक्टरों को समझाते रहे कि विरोध-प्रदर्शन का यह सिलसिला टूटना क्यों जरूरी है? बातचीत का सीधा प्रसारण संभव नहीं है। अलबत्ता संवाद की रिकॉर्डिंग जरूर कराई जाएगी, लेकिन आक्रोशित डॉक्टर लगातार यह सवाल करते रहे कि सीधे प्रसारण से सरकार डरती क्यों है? डॉक्टर 'नबन्ना' सचिवालय के गलियारे तक तो पहुंच गए, लेकिन उस कक्ष के भीतर नहीं गए, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 2.10 घंटे से आंदोलनकारी डॉक्टरों की प्रतीक्षा कर रही थीं। नतीजतन संवाद का जो सेतु बनाया गया था, वह ढह गया। डॉक्टर लौट गए और धरना-स्थल पर जाकर बैठ गए। मुख्यमंत्री ने इस्तीफे तक की पेशकश की और बंगाल की जनता से माफी मांगी कि वह डॉक्टरों को ड्यूटी पर वापस लाने में नाकाम रहीं। यह ममता बनर्जी की 'भावुक राजनीति' भी हो सकती है, ताकि अधिकतर लोग उनसे नाराज न हों और समर्थन समाप्त करने पर आमादा न हो जाएं! बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में विपक्षी दल आक्रामक होकर विरोध-प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांग रहे हैं। डॉक्टर तो आंदोलित हैं ही, लेकिन उनके समर्थन में विभिन्न सामाजिक आंदोलन भी छिड़ गए हैं, लिहाजा राज्य में अराजकता की स्थिति है। सडकों पर भीड़ है, तो पुलिसकर्मी भी हैं। अदालतों में अलग केस चल रहे हैं। ममता की यह राजनीति आजमाई हुई है। बहरहाल डॉक्टरों का आंदोलन अब एक जिद का रूप धारण कर चुका है। सर्वोच्च अदालत ने उन्हें काम पर लौटने का समय दिया था, वह गुजर चुका है। शीर्ष अदालत डॉक्टरों के सरोकारों की लड़ाई लड़ रही है, लेकिन आंदोलनकारियों को भरोसा ही नहीं है। यह जिद ही नहीं, अवमानना भी है। डॉक्टर जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने लगे हैं, क्योंकि आरजी कर अस्पताल में इलाज न मिलने से अभी तक 27 लोगों की अकाल मौत हो चुकी है और 7 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। यकीनन डॉक्टर बिटिया के प्रसंग पर पूरा देश गुस्से में रहा है, क्षुब्ध रहा है, असंख्य विरोध-प्रदर्शन भी किए गए हैं। डॉक्टरों के साथ सहानुभूति है, संवेदना है, क्योंकि बिटिया चिकित्सकों की सुरक्षा वाकई चिंतित सरोकार है, लेकिन काम छोड़ कर आंदोलन ही जारी रखना या जुलूस निकालना अथवा डॉक्टर होकर धरने पर खाली बैठे रहना, दरअसल अपनी पेशेवर प्रतिबद्धता से मुंह मोडना है। डॉक्टर लोगों की बीमारियों के इलाज करते हुए भी विरोध जता सकते हैं। विरोध जताने के कई प्रतीक होते हैं। डॉक्टर बाजू पर काली पट्टी बांध कर भी, काम करते हुए, अपना विरोध जता सकते हैं। हालांकि सर्वोच्च अदालत आंदोलनकारी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुमति सरकार को दे चुकी है, लेकिन बंगाल सरकार अब भी विनम्र है, क्योंकि सरकार को कई तरह के विरोध बर्दाश्त भी करने पड़ते हैं। आंदोलन के 33 दिन बीत चुके हैं। सीबीआई ने कुछ महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां भी की हैं। जांच के निष्कर्षों तक भी पहुंच रही है। ऐसे इंसाफ चुटकी बजा कर नहीं दिए जा सकते। कानून और अदालत की अपनी प्रक्रिया है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि श्री रघुनाथजी के गुणों की कथाएँ कहते-सुनते कुछ दिनों तक शिवजी वहाँ रहे। फिर मुनि से विदा माँगकर शिवजी दक्षकुमारी सतीजी के साथ घर (कैलास) को चले॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तेहि अवसर भंजन महिभारा। हरि रघुबंस लीन्ह अवतारा॥

पिता बचन तजि राजु उदासी। दंडक बन बिचरत अबिनासी॥

उन्हीं दिनों पृथ्वी का भार उतारने के लिए श्री हरि ने रघुवंश में अवतार लिया था। वे अविनाशी भगवान उस समय पिता के वचन से राज्य का त्याग करके तपस्वी या साधु वेश में दण्डकवन में विचर रहे थे॥

दो0-हृदयँ बिचारत जात हर केहि बिधि दरसनु होइ।

गुप्त रूप अवतरेउ प्रभु गएँ जान सबु कोइ॥

शिवजी हृदय में विचारते जा रहे थे कि भगवान के दर्शन मुझे किस प्रकार हों। प्रभु ने गुप्त रूप से अवतार लिया है, मेरे जाने से सब लोग जान जाएँगे॥

संकर उर अति छोभु सती न जानहिं मरमु सोइ।

तुलसी दरसन लोभु मन डरु लोचन लालची॥

श्री शंकरजी के हृदय में इस बात को लेकर बड़ी खलबली उत्पन्न हो गई, परन्तु सतीजी इस भेद को नहीं जानती थीं। तुलसीदासजी कहते हैं कि शिवजी के मन में (भेद खुलने का) डर था, परन्तु दर्शन के लोभ से उनके नेत्र ललचा रहे थे॥

(क्रमशः..)

मातृभाषा हमें सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने से जोड़ती है

(मातृभाषा में पढाई वैचारिक समझ के आधार पर एक घरेलू प्रणाली के साथ सीखने और परीक्षा-आधारित शिक्षा की रट विधि को बदलने में मदद करेगा। जिसका उद्देश्य छात्र के अपनी भाषा में ज्ञानात्मक कौशल को सुधारना है, ताकि वह अन्य भाषाओँ के बोझ तले न दब सके और चाव से अपनी प्राथमिक शिक्षा को पूर्ण कर सके। इस हिंदी दिवस पर हमें इस बात को जोर-शोर से प्रचारित करना चाहिए ताकि अभिभावक अपने बच्चों पर बेवजह का दबाव बनाकर उन्हें मात्र इंग्लिश मीडियम में भेजने का धक्का न करें।)

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में स्कूल और उच्च शिक्षा दोनों में बड़े पैमाने पर परिवर्तनकारी सुधार लाने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मंजूरी दी। देश के लिए नई शिक्षा नीति लगभग 34 वर्षों के बाद आई है। यह मौजूदा शिक्षा प्रणाली के लिए कुछ नया लेकर आई है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कक्षा 5 तक की शिक्षा के माध्यम के रूप में घरेलू भाषा, मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा बनाने का निर्णय है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह राष्ट्र निर्माण में दीर्घकालिक प्रभाव पैदा कर सकता है। मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में स्कूली शिक्षा प्रदान करना मानव संसाधन विकास की चल रही प्रक्रिया में भारी बदलाव ला सकता है।

(हिंदी दिवस विशेष)

विश्लेषकों का मानना है कि क्षेत्रीय भाषाएं मानवीय मूल्यों और भावनाओं को बढ़ाने में मदद करती हैं और मातृभाषा सीखने से भविष्य की पीढ़ियों को अपने सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने के साथ संबंध बनाने में मदद मिलेगी। एक बच्चे की मातृभाषा में प्रारंभिक स्कूलिंग, जैसा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सिफारिश की गई है, सीखने में सुधार कर सकती है, छात्र की भागीदारी को बढ़ा सकती है और दुनिया भर के बोझ को कम कर सकती है. हालांकि, इसके लिए नई पुस्तकों, नए शिक्षक प्रशिक्षण और अधिक धन की आवश्यकता होगी, इसके अलावा, भारत में भाषाओं और बोलियों की बहुलता को देखते हुए, यह उस क्षेत्र में एक निर्देश के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है जिस पर अन्य भाषाओँ में काम करना मुश्किल है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) कहती है कि ग्रेड- तक स्कूलों में शिक्षा का माध्यम जहां भी संभव हो, आठवीं कक्षा तक, मातृभाषा या स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा होनी चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास जल्दी किए जाएंगे ताकि बच्चे द्वारा बोली जाने वाली भाषा और शिक्षण के माध्यम के बीच कोई अंतराल न रहे। प्रारंभिक स्कूल के वर्षों में बच्चे को सबसे अधिक आरामदायक भाषा का उपयोग करना इसकी स्कूली उपस्थिति और सीखने के परिणामों में सुधार करता है। दुनिया भर के अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि यह कक्षा की भागीदारी को बढ़ाता है, ड्रॉपआउट और ग्रेड पुनरावृत्ति की संख्या को कम करता है।

यह उन्हें सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान से परिचित कराने का अवसर भी प्रदान करता है।

ऐसा होने के बावजूद निम्न और मध्यम आय वाले देशों के सभी बच्चों को उनके द्वारा बोली जाने वाली भाषा में पढ़ाया नहीं जाता है। आज के अभिभावक अपने बच्चों को-इंग्लिश-मीडियम 'स्कूलों में भेजना पसंद करते हैं, भले ही वे शिक्षा की गुणवत्ता की परवाह किए बिना यह मानते हों कि अंग्रेजी भाषा की महारत बाद के जीवन में सफलता सुनिश्चित करती है। भारत

के ग्रामीण क्षेत्रों में निजी स्कूलों में दाखिला लेने वाले और शहरी क्षेत्रों में 19.3 प्रतिशत लोगों में से लगभग 14व ने एक निजी स्कूल चुना।

क्योंकि वहां अंग्रेजी शिक्षा का माध्यम था। विशेषज्ञों का तर्क है कि एक अंग्रेजी शिक्षा हमेशा सबसे अच्छी नहीं होती है। कोई भी उस भाषा में सबसे अच्छा पढ़ना और लिखना सीख सकता है जिसे आप पहले दिन से जानते हैं। अच्छी शिक्षा तब होती है जब बच्चों में उच्च आत्म-सम्मान होता है, उन्हें कक्षा में अच्छी तरह से समायोजित किया जाता है जो एक सकारात्मक और भयमुक्त वातावरण प्रदान करता है। यदि बच्चे को ऐसी भाषा में पढ़ाया जाता है जो उन्हें समझ में नहीं आता है, तो इसमें से कुछ भी नहीं होगा।

ग्रामीण भारत में, ग्रेड ड्ड में नामांकित केवल 16.2 प्रतिशत बच्चे ही ग्रेड-स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं, जबकि केवल 39.5 प्रतिशत ही एक-अंकीय संख्याओं को जोड़ सकते हैं। 2011 की जनगणना ने 270 मातृभाषाओं को सूचीबद्ध किया; इनमें से, अध्ययन के अनुसार, 47 भाषाओं को भारतीय कक्षाओं में शिक्षा के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया गया था। लेकिन हम कम सीखने के परिणामों की समस्या को हल करने के लिए मातृभाषा में पढ़ाना कोई एकमात्र विकल्प भी नहीं मान सकते है। बहुभाषी शिक्षा के सफल होने के लिए शैक्षणिक परिवर्तन और प्रशिक्षित शिक्षकों का होना चाहिए जो कक्षा में कई भाषाओं से निपट सकते हैं और बच्चे की मातृभाषा में पढ़ा सकते हैं।

प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा का उपयोग करने का विचार भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए नया नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 350A कहता है कि प्रत्येक राज्य और स्थानीय प्राधिकरण को भाषाई अल्पसंख्यक समूहों से संबंधित बच्चों को शिक्षा के प्राथमिक चरण में मातृभाषा में शिक्षा के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए।

शिक्षा और राष्ट्रीय विकास (1964-66) पर कोठारी आयोग की रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि आदिवासी क्षेत्रों में, स्कूल के पहले दो वर्षों के लिए, निर्देश और पुस्तकों का माध्यम स्थानीय जनजातीय भाषा में होना चाहिए। क्षेत्रीय भाषा को अलग से पढ़ाया जाना चाहिए और तीसरे वर्ष तक शिक्षा का माध्यम बनना चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 ने यह भी कहा कि जहां तक संभव हो, स्कूल में शिक्षा का माध्यम बच्चे की मातृभाषा होना चाहिए। भारत में कई भाषाएं हैं, 2011 की जनगणना में 270 मातृभाषाओं की पहचान की गई और कक्षाओं में एक से अधिक बोली जाने वाली भाषा वाले बच्चे हो सकते हैं।

सभी भाषाओं के लिए शिक्षा का माध्यम बनना संभव नहीं हो सकता है और देश के बड़े हिस्सों में इसे लागू करना संभव नहीं हो सकता है। द्विभाषी कार्यक्रमों में प्रारंभिक निवेश उच्चतर हो सकता है क्योंकि नई शिक्षण सामग्री को विकसित करने की अतिरिक्त लागत के लिए विशेष रूप से उन भाषाओं के लिए जिन्हें मानकीकृत नहीं किया गया है या जिनके पास स्क्रिप्ट नहीं है। इसके लिए बहुभाषी कक्षा में पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों और इन भाषाओं में धाराप्रवाह नए शिक्षकों की आवश्यकता होगी। चूंकि शिक्षा एक समवर्ती विषय है, इसलिए अधिकांश राज्यों के अपने स्कूल बोर्ड हैं। इसलिए, राज्य सरकारों को इस फैसले के वास्तविक कार्यान्वयन के लिए आगे आना होगा।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य हर छात्र के शैक्षिक और सह-शैक्षिक डोमेन में सर्वांगीण विकास करना है और छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को शिक्षित करने पर जोर दिया गया है ताकि वे राष्ट्र की सेवा करने की अपनी क्षमता का पोषण कर सकें। लगभग तीन-चार वर्षों के लिए देश भर के कुछ स्कूलों में नए मॉडल की कोशिश करना, कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं की पहचान करना और परिवर्तन की लागत और फिर इन समस्याओं को हल करने वाली कार्य योजना तैयार करना है। इस से आसान और सुलभ तरीके प्रदान करके विभिन्न ज्ञान धाराओं के बीच पदानुक्रम और बाधाओं को दूर करने में बेहद फायदेमंद साबित होगी।

मातृभाषा में पढाई वैचारिक समझ के आधार पर एक घरेलू प्रणाली के साथ सीखने और परीक्षा-आधारित शिक्षा की रट विधि को बदलने में मदद करेगा। जिसका उद्देश्य छात्र के अपनी भाषा में ज्ञानात्मक कौशल को सुधारना है, ताकि वह अन्य भाषाओँ के बोझ तले न दब सके और चाव से अपनी प्राथमिक शिक्षा को पूर्ण कर सके। इस हिंदी दिवस पर हमें इस बात को जोर-शोर से प्रचारित करना चाहिए ताकि अभिभावक अपने बच्चों पर बेवजह का दबाव बनाकर उन्हें मात्रा इंग्लिश मीडियम में भेजने का धक्का न करें। हमें इस धारणा को तोड़ना होगा जिसमें फंसकर आज के अभिभावक अपने बच्चों को-इंग्लिश-मीडियम 'स्कूलों में भेजना पसंद करते हैं, भले ही वे शिक्षा की गुणवत्ता की परवाह किए बिना यह मानते हों कि अंग्रेजी भाषा की महारत बाद के जीवन में सफलता सुनिश्चित करती है।

।। है हिंदी यूं हीन ।।

बोल-तोल बदले सभी, बदली सबकी चाल ।
परभाषा से देश का, हाल हुआ बेहाल ।।

जल में रहकर ज्यों सदा, प्यासी रहती मीन ।
होकर भाषा राज की, है हिंदी यूं हीन ।।

अपनी भाषा साधना, गूढ ज्ञान का सार ।
खुद की भाषा से बने, निराकार, साकार ।।

हो जाते हैं हल सभी, यक्ष प्रश्न तब मीत ।
निज भाषा से जब जुड़े, जागे अन्तस प्रीत ।।

अपनी भाषा से करें, अपने यूं आघात ।
हिंदी के उत्थान की, इंग्लिश में हो बात ।।

हिंदी माँ का रूप है, ममता की पहचान ।
हिंदी ने पैदा किये, तुलसी ओ रसखान ।।

मन से चाहे हम अगर, भारत का उत्थान ।
परभाषा को त्यागकर, बांटे हिंदी ज्ञान ।।

भाषा के बिन देश का, होता कब उत्थान ।
बात पते की जो कही, समझे वही सुजान ।।

जिनकी भाषा है नहीं, उनका रुके विकास ।
परभाषा से होत है, हाथों-हाथ विनाश ।।

डॉ. सत्यवान सौरभ

राशिफल

भाद्रपद शुक्ल पक्ष : द्वादशी — **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

धार्मिक अनुष्ठान में भाग ले सकते हैं। मंदिरों की यात्रा हो सकती है। या ऐसे भी यात्रा संभव है। प्रेम-संतान का साथ होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)

कोई रिस्क न लें। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। वाहन धीरे चलाएं। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)

आनंददायक जीवन गुजरेगा फिर भी बच्चों की सेहत का ध्यान रखिए। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचिए।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)

शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान मध्यम है। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)

भावुकता पर काबू रखें। महत्वपूर्ण निर्णय भी अभी रोक कर रखें। स्वास्थ्य ठीक ठाक। प्रेम-संतान मध्यम। व्यापार अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी संभव है लेकिन घरेलू सुख बाधित हो रहा है क्योंकि कलहकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)

व्यापारिक प्रसार संभव है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान का साथ होगा। व्यापार अच्छा है। शनिदेव को प्रणाम करते रहें।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)

धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम-संतान अच्छा है।

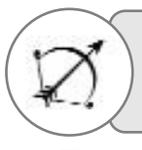

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)

सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। एक ऊर्जावान व्यक्ति बने रहेंगे। समाज में सराहना होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)

खर्च की अधिकता। मन में बेचैनी, घबराहट, अज्ञात भय। प्रेम-संतान मध्यम व व्यापार भी मध्यम है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)

शुभ समाचार की प्राप्ति। यात्रा का योग बनेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)

कानूनी रूप से मजबूत बने रहेंगे। राजनीतिक लाभ होगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य मध्यम।

बदलेगी नोएडा की सूरत : खाली भूखंडों और नए प्रोजेक्ट को मिलेगी रफ्तार

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ लोकेश एम ने शनिवार को प्राधिकरण के तीनों अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई बैठक में औद्योगिक, आवासीय, वाणिज्यिक ,ग्रुप हाउसिंग, संस्थागत सहित कुल 1190 भूखंड रिक्त मिले।

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर लोकेश एम ने बताया कि भू उपयोग के लिए रिक्त पड़े भूखंड की समीक्षा की गई, जिनमें सिविल विभाग के सर्वे के बाद सेक्टर में औद्योगिक, आवासीय ,वाणिज्यिक, ग्रुप हाउसिंग ,संस्थागत कुल 1190 भूखंड रिक्त मिले ,जो मौके पर आवंटित है ,लेकिन किसी कारणवश या तो निरस्त किए गए हैं, या खाली पड़े हैं, ऐसे सभी भूखंडों को चिन्हित कर एक योजना लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा एनएसईजेड क्रॉसिंग पर ट्रैफिक जाम की समस्या को निजात दिलाने के आदेश दिए, इसके अलावा डीएनडी से सेक्टर 18 तक फ्लाईओवर के एक्सप्रेसवे को चौड़ीकरण करने के भी निर्देश दिए, ताकि जाम की समस्या से निजात दिलाई जा सकें।

इस दौरान नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी , अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश पाल आदि अधिकारी मौजूद मौजूद रहे।

सपा की मासिक बैठक में समस्याओं के निस्तारण पर दिया जोर

नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर की मासिक बैठक का शनिवार को सेक्टर 53 कंचनजंगा मार्केट स्थित नोएडा महानगर कैंप कार्यालय में आयोजन किया गया।

डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि मौजूदा सरकार और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों से आम जनता पूरी तरह से प्रताड़ित है। बेलगाम होती महंगाई और बेरोजगारी पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है।

समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के पूर्व अध्यक्ष रेशपाल अवाना ने छात्र नौजवान जागरूकता अभियान के सफलतम आयोजन के लिए महानगर टीम को बधाई व शुभकामनाएं दी।

महानगर महासचिव विकास यादव व मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने सपा की नीतियों को जनता तक पहुंचाने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने का आह्वान किया। इस अवसर पर लोकसभा प्रत्याशी डॉ महेंद्र नागर के धर्मपत्नी के निधन के लिए 2 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस मौके पर ओमपाल राणा, मोहम्मद नौशाद, संजय त्यागी, महकार तंवर, वीरपाल प्रधान, मुन्ना आलम ,राम सहेली, केपी यादव, अमित बसोया, सुमित अंबावत,अमित यादव, राहुल यादव, नकुल सिंह, अच्छे मियां, लोकेश यादव, अर्जुन, गौरव सिंघल, अजब सिंह यादव, राहुल त्यागी, विश्वास, सतवीर यादव ,ज्ञानेंद्र, रूपचंद यादव, तुषार पाल आदि मौजूद रहे।

कंपोजिट विद्यालय में हिंदी दिवस पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

नोएडा। हिंदी दिवस पर कंपोजिट विद्यालय पर्थला खंजरपुर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान बच्चों ने कला प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, कविता गायन, निबंध प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। हिंदी अध्यापक अशोक यादव ने बच्चों को हिंदी की उत्पत्ति औप समृद्ध संस्कृति के बारे में बताया। वहीं, अर्चना पांडेय ने बच्चों को हिंदी भाषा और व्याकरण पर विशेष तौर पर ध्यान देने के साथ-साथ उच्चारण पर जोर देने के लिए बच्चों को प्रेरित किया।

इस दौरान कार्यक्रम में सुगम शर्मा, संगीता, दीपशिखा, रश्मि और प्रतिभा सिंह ने बच्चों को हिंदी भाषा के प्रति जागरूक किया।

रेल विहार सोसाइटी ग्रेटर नोएडा में भारतीय योग केंद्र का मनाया स्थापना दिवस

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा योग केंद्र के स्थापना दिवस पर शनिवार को केन्द्र प्रमुख अशोक अरोड़ा, योग शिक्षिका रीता यादव एवं साधक आरएस यादव का संयुक्त रूप से जन्म दिवस मनाया बच्चू सिंह ने ग्रेटर नोएडा के योग पदाधिकारियों यथा जितेन्द्र भाटी, सीमा गुप्ता, संगठन मंत्री राकेश शर्मा, बलजीत नागर, मनोज यादव, डॉ. डी सी तायल, डॉ. सत्संगी के सहयोग और निस्वार्थ सेवा की सराहना की। उन्होंने अशोक अरोड़ा के निरंतर योगा अभ्यास और निस्वार्थ सेवा की भी प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन रेल विहार सोसायटी के वरिष्ठ साधक व शिक्षक ब्रजेश शर्मा ने किया।

अरविंद केजरीवाल की जमानत पर कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर मनाई खुशी

नोएडा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने पर आप कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने शनिवार को नोएडा पार्टी कार्यालय में एक दूसरे को लड्डू खिलाकर जश्न मनाया।

एवाई डब्लू प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना ने कहा कि झुकते हैं तानाशाह, झुकाने वाला चाहिए और तानाशाह को झुकाने वाले व्यक्ति हैं अरविंद केजरीवाल।

गौतम बुद्ध नगर के जिला अध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा कि जिले में पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के अन्दर अरविंद केजरीवाल के आने पर कई गुना संगठन को मजबूत करने का उत्साह और जज्बा है। अरविंद केजरीवाल ने अपनी ईमानदारी और सत्य की ताकत की बदौलत तानाशाह को झुका दिया है। इस अवसर पर जिला महासचिव कैलाश शर्मा ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलदार अंसारी , सचिव अमर सिंह चौहान ,जिला उपाध्यक्ष नवीन भाटी ,अंकित पाल ,राकेश कटोरिया, बोला ,अजय, नरेंद्र ,अनुज मौजूद रहे।

सेक्टर- 55, 108 में चलाया सफाई अभियान

नोएडा। सेक्टर- 55 और 108 में शनिवार को सफाईगिरि अभियान चलाया गया। इस दौरान प्राधिकरण अधिकारियों ने सेक्टरों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनी। इससे पहले सेक्टर का दौरा कर वहां की स्थिति का जायजा लिया। सेक्टर-55 सफाईगिरि कार्यक्रम में नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग के परियोजना अभियंता गौरव बंसल, वरिष्ठ प्रबंधक डोरी राल सहित अन्य विभागों के अधिकारी पहुंचे और प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर लोगों ने सेक्टर से जुड़ी विभिन्न प्रकार की समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। इन समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन अधिकारियों ने दिया। यहां पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष एसएन गोयल और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। इसी तरह सेक्टर- 108 में प्राधिकरण के अधिकारियों की टीम पहुंची। प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग के परियोजना अभियंता आर के शर्मा और अन्य अधिकारी पहुंचे। सेक्टर में पहुंचकर अधिकारियों ने दौरान कर सड़क, सीवर, सफाई आदि की व्यवस्था देखी। यहां पर फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा और आरडब्ल्यूए अध्यक्ष विनोद शर्मा समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। सेक्टर में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष विनोद शर्मा ने अपनी कार्यकारिणी के साथ सेक्टर का अधिकारियों को दौरा कराते समय कई समस्याएं गिनवाई।

सहायक पुलिस आयुक्त तृतीय नोएडा बनीं शैव्या गोयल

नोएडा। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आठ सहायक पुलिस आयुक्त को जनपद में इधर से उधर किया है। इनमें बेहतर कार्य के लिए शैव्या गोयल को एसीपी तृतीय से एसीपी द्वितीय नोएडा की जिम्मेदारी दी गई है। जनपद में आई ट्विंकल जैन सहायक पुलिस आयुक्त गौतम बुद्ध नगर से सहायक पुलिस आयुक्त तृतीय नोएडा एवं सहायक पुलिस आयुक्त पुलिस लाइन बनाया गया है। राजीव कुमार गुप्ता सहायक पुलिस आयोग द्वितीय सेंट्रल नोएडा से सहायक पुलिस आयुक्त प्रथम सेंट्रल नोएडा का कार्य सौंपा गया है।

सहायक पुलिस आयुक्त दीक्षा सिंह को सहायक पुलिस आयुक्त सेंट्रल नोएडा से सहायक पुलिस आयुक्त द्वितीय सेंट्रल नोएडा, सहायक पुलिस आयुक्त गौतम बुध नगर बी एस वीर कुमार को सहायक पुलिस आयुक्त तृतीय सेंट्रल नोएडा, अरविंद कुमार सहायक पुलिस आयुक्त द्वितीय नोएडा से सहायक पुलिस आयुक्त तृतीय ग्रेटर नोएडा, सहायक पुलिस आयुक्त गौतम बुध नगर हेमंत उपाध्याय को सहायक पुलिस आयुक्त यातायात नोएडा, सौम्या सिंह सहायक पुलिस आयुक्त महिला सुरक्षा से सहायक पुलिस आयुक्त यातायात ग्रेटर नोएडा की जिम्मेदारी दी गई है।

राजेश ने ऑल इंडिया नेशनल पुलिस गेम्स में जीता स्वर्ण पदक

ग्रेटर नोएडा। जिले के गांव जमालपुर के रहने वाले अंतरराष्ट्रीय पहलवान और सीआईएसएफ में कार्यरत राजेश भाटी ने ऑल इंडिया नेशनल पुलिस गेम्स में स्वर्ण पदक जीता है। प्रतियोगिता का आयोजन लखनऊ में नौ से 13 सितंबर तक किया गया।

कोच रंजीत पहलवान ने बताया कि राजेश भाटी ने ऑल इंडिया नेशनल पुलिस गेम्स में सीआईएसएफ की तरफ से प्रतिनिधित्व किया था। राजेश भाटी ने प्री क्वॉर्टर फाइनल में सीआरपीएफ के लवप्रीत को 8-3 से हराया और क्वार्टर फाइनल में यूपी पुलिस के अंकित को 11-5 से हराया। वहीं, सेमीफाइनल में महाराष्ट्र के पहलवान सुमित को 6-5 से हराया और फाइनल में आईटीबीपी के आकाश को 10-3 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। रंजीत पहलवान ने बताया कि राजेश ने इससे पहले वर्ल्ड पुलिस गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था, जो अमेरिका में आयोजित हुई थी। वह कई बार राष्ट्रीय स्तर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत चुके हैं। इस मौके पर चतर सिंह, रवि गुर्जर, सत्तन यादव, योगी भाटी, वनीष प्रधान, परीक्षित नागर, जयवीर नागर, यशवीर भाटी, अमित भाटी, अंतरराष्ट्रीय पहलवान राजेंद्र भाटी, रविंद्र भाटी, बृजेश भाटी, चमन कसाना आदि मौजूद रहे।

अखिल भारतीय औद्योगिक एवं व्यापार महासभा ने धूमधाम से पहला स्थापना दिवस मनाया

व्यापारियों के लिए भयमुक्त माहौल तैयार करें प्रशासन : चौहान

गाजियाबाद। व्यापारिक संगठन अखिल भारतीय औद्योगिक एवं व्यापार महासभा ने शनिवार को सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में पहला स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया। जॉइंट कमिश्नर अजय प्रताप सिंह, विशिष्ट अतिथि नमन जैन अध्यक्ष सिल्वर लाइन स्कूल, विशिष्ट अतिथि एसीपी पुलिस रितेश त्रिपाठी,सुंदरदीप के अध्यक्ष अखिल अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्थापक अध्यक्ष रविंद्र चौहान ने कहा कि पुलिस और जिला प्रशासन व्यापारियों के लिए भयमुक्त वातावरण तैयार करने का काम करें।

राष्ट्रीय प्रवक्ता इंद्रजीत सिंह टीटू ने कहा कि व्यापारी देश की रीड है उसे मजबूती प्रदान करने से देश की आर्थिक स्थिति मजबूती होगी। अधिकारियों को व्यापारियों की समस्याओं को सुनने के लिए समय देना चाहिए। और तत्काल निस्तारण कराया जाना चाहिए।

संरक्षक अभिषेक गर्ग ने कहा कि व्यापारियों के अंदर जो डर है, वो खत्म होना चाहिए,व्यापारी और प्रशासन आपसी सामंजस्य बनाकर एक दूसरे का सहयोग करें। समय- समय पर शिविर का आयोजन कर व्यापारियों के साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करते हुए उनके मन में बैठे भय को समाप्त किया जाए। इसी दौरान मुख्य अतिथि जॉइंट कमिश्नर अजय प्रताप सिंह और एससपी रितेश त्रिपाठी ने सभी व्यापारियों को पूर्ण सहयोग करने आश्वासन दिया और स्थापना दिवस पर संगठन के संस्थापक रविंद्र चौहान का जन्मदिन भी धूमधाम से मनाया गया।

इस मौके पर संरक्षक चौधरी तेजपाल सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता इंद्रजीत सिंह (टीटू),संरक्षक अभिषेक गर्ग, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद चौधरी, शुभम गुप्ता, निशांत गर्ग, विकास चौधरी, विजय कौशिक, बीके शर्मा (हनुमान), अनिल चौधरी, विवेक तोमर, संदीप मोदी, दिनेश शर्मा, चिंटू,सुभाष गुप्ता, पंडित शिवकुमार शर्मा, रणवीर प्रधान, वीरपाल सिंह, सोनवीर चौधरी, संदीप चौधरी, नरेंद्र कुमार(नंदी), अभिषेक गुप्ता, सौरभ गुप्ता, आनंद गुप्ता, अंकित गुप्ता, अमित गुप्ता, आलोक गुप्ता, अंकुर गोयल, रितेश गुप्ता, अर्पित गुप्ता, भव गुप्ता, ध्रुव गुप्ता, अचल गुप्ता, संजीव कुमार मौजूद रहे।

जागृति अपार्टमेंट के 80 फ्लैटों दूषित पानी आने से लोग परेशान

गाजियाबाद। वसुंधरा सेक्टर दस स्थित जागृति अपार्टमेंट के ब्लॉक-ए में पानी नहीं दूषित पानी आने से लोग परेशान है। इससे 80 फ्लैटों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो चुकी है। दूषित पानी आने की वजह से लोगों के रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। नगर निगम में शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। सोसाइटी में दूषित पानी आने से लोगों को परेशानी हो रही है। इससे लोगों को बाहर से बोतल बंद पानी मांग कर पीना पड़ रहा है। सोसाइटी में कुल 250 फ्लैट है जिसमें 80 में दूषित पानी आने से चार सौ से अधिक लोग प्रभावित है। लोगों का बताया कि सुबह शाम दो बार पानी की आपूर्ति की जाती है। इसमें पिछले एक माह से कम प्रेशर पानी या दूषित पानी आने की समस्या आ रही है। दूषित पानी आने से नल खोलते ही घर में बदबू उठने लगती है। दूषित पानी आने से लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। इससे लोगों को घर खर्च के लिए भी बाहर से पानी मंगाना पड़ रहा है। नगर निगम में कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। नगर निगम की लापरवाही के चलते से लोगों को परेशानी हो रही है। दूषित पानी आने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है। पानी की आपूर्ति न होने से लोगों को दैनिक कार्य खाना बनाना, साफ-सफाई और अन्य गतिविधियों भी प्रभावित हो रही है। जलकल विभाग के सहायक अभियंता सोमेंद्र तोमर का कहना है कि सोसाइटी के पीछे पेयजल लाइन में लीकेज के कारण दूषित पानी आया है। पेयजल लाइन का लीकेज ठीक किया जा रहा है। जल्द समस्या का निवारण किया जाएगा।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी
ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति को मिली मंजूरी

गाजियाबाद। जिले के लिए अच्छी खबर है। जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए 212 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। शासन की तरफ से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति के लिए मंजूरी दी जा चुकी है। अगले हफ्ते बुधवार से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति के लिए पोर्टल खुल जाएगा। लगभग आठ महीने से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति रूकी हुई थी। 212 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के पदों के लिए हजारों महिलाओं ने आवेदन किया हुआ है। जिला कार्यक्रम अधिकारी शशि वार्ष्णेय ने बताया कि पोर्टल खुलने के 45 दिन के अंदर 212 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि नियुक्ति के लिए तीन चरण रखे गए है क्योकि 212 पदों के लिए हजारों महिलाओं ने आवेदन किया है। उन्होंने बताया कि जिस वार्ड में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का पद रिक्त है, उसी वार्ड में रहने वाली महिला की ही नियुक्ति की जाएगी।

लावारिस कुत्तों की नसबंदी कराने की मांग

गाजियाबाद। गोविंदपुरम क्षेत्र में लावारिस कुत्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। कुत्ते के काटने के मामले भी ज्यादा बढ़ रहे हैं। इससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। लोग नगर निगम से कुत्तों को नसबंदी कराने की मांग कर रहे हैं। गोविंदपुरम के जी ब्लॉक में कुत्तों का झुंड गलियों में घूम रहा है। कुत्तों ने कई बच्चों को काटकर घायल कर दिया है। इससे दहशत का माहौल है। लोग निगम से कुत्तों की नसबंदी की मांग कर रहे हैं। लेकिन अभी नसबंदी का काम बंद है। इस कारण लावारिस कुत्तों की नसबंदी नहीं कराई जा रही। इसके अलावा गोविंदपुरम के अन्य ब्लॉक में भी लावारिस कुत्ते दहशत पैदा कर रहे हैं।

खेत में स्प्रिंकलर लगवाने पर मिलेगा 90 प्रतिशत अनुदान

गाजियाबाद। जिले के किसानों के लिए अच्छी खबर है। खेतों में स्प्रिंकलर लगवाने पर किसानों को स्प्रिंकलर की राशि का महज दस प्रतिशत ही देना होगा। 90 प्रतिशत राशि शासन की तरफ से दी जाएगी। जिले में लगातार जलस्तर कम हो रहा है, जिसको देखते हुए खेतों में स्प्रिंकलर लगाने पर जोर दिया जा रहा है। स्प्रिंकलर से 70 प्रतिशत पानी की बचत होती है, वही फसलों पर पारंपरिक तरीके से बेहतर छिड़काव होता है। स्प्रिंकलर लगवाने के लिए किसानों को आवेदन करना होता है, जिसके बाद स्प्रिंकलर डीलर खेत की लंबाई चौड़ाई के हिसाब से कीमत तय करता है। किसान को कुल कीमत का महज दस प्रतिशत ही स्प्रिंकलर डीलर को चुकाना होता है।

भूमि संरक्षण अधिकारी तान्वी शर्मा ने बताया कि फसलों के हिसाब से खेतों में दो प्रकार के स्प्रिंकलर लगाए जा रहे है। दोनों पर ही 90 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्प्रिंकलर से खेतों में 70 प्रतिशत पानी कम खर्च होता है।

डेक्कन ट्रांसकॉन लीजिंग लिमिटेड का आईपीओ खुल

मुंबई, एजेंसी। फ्रेट एवं शिपिंग सेवाओं के लिए संपूर्ण सॉल्यूशंस प्रदान करने वाली, डेक्कन ट्रांसकॉन लीजिंग लिमिटेड ने 13 सितंबर, 2024 को एक आईपीओ के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है .कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत 65.06 करोड़ एकत्र करना है. कंपनी के शेयर्स एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने, टैंक कंटेनर्स की प्राप्ति हेतु पूंजी खर्च की जरूरत के लिए और आम कॉर्पोरेट खर्चों को कवर करने के लिए किया जाएगा. एंकर पोर्शन 12 सितंबर, 2004 को खुलेगा और इश्यू 18 सितंबर, 2024 को बंद होगा. इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर यूनीस्टोन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड है.इश्यू की रजिस्ट्रार लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है. डेक्कन ट्रांसकॉन लीजिंग लिमिटेड के चेयरमैन एवं पूर्णकालिक डायरेक्टर, श्री जयदेव मेनन पराठ ने कहा, हम सहर्ष हमारे आगामी आईपीओ की घोषणा करते हैं. यह महत्वपूर्ण माइलस्टोन ना सिर्फ हमारी कंपनी के लिए गर्व का पल प्रस्तुत करता है बल्कि हमारे ऑपरेशंस को बढ़ाने तथा हमारी सर्विस आफरिंग को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण सुअवसर भी है. सिर्फ गत वर्ष में 884 संतुष्ट ग्राहकों के साथ उच्च गुणवत्ता के टैंक कंटेनर लीजिंग और व्यापक लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस प्रदान करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ बनी हुई है. आईपीओ से प्राप्त होने शुद्ध धनराशि हमारी कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने, जरूरी पूंजी खर्चों को सपोर्ट करने और टैंक कंटेनरों के हमारे फ्लीट को बढ़ाने के लिए व्यूहात्मक रूप से आवंटित की जाएगी. ये निवेश हमारे विभिन्न ग्राहक आधार की बढ़ती मांग पूरी करने और विभिन्न क्षेत्र विशेष रूप से बल्क लिक्विड और खतरनाक केमिकल के परिवहन में अपवादात्मक वैल्यू निरंतर डिलीवर करने में हमें समर्थ बनाएगी. यह आईपीओ ना सिर्फ हमारी परिचालन क्षमताओं को मजबूत बनाएगा बल्कि हमारे दीर्घकालीन ग्रोथ में भी योगदान देगा.

वरीवो मोटर ने किया हाई-स्पीड सेगमेन्ट में प्रवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के इलेक्ट्रिक दुपहिया उद्योग में स्थापित हो चुकी, तेज़ी से विकसित हो रही कंपनी वरीवो मोटर इंडिया प्रा. लिमिटेड ने अपने पहले हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर सीआरएक्स के लॉन्च के साथ हाई-स्पीड सेगमेन्ट में प्रवेश किया है। भारतीय उपभोक्ताओं की दैनिक आवागमन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया यह आधुनिक स्कूटर आकर्षक कीमत पर सर्वश्रेष्ठ फीचर्स के साथ उपलब्ध है। यह स्कूटर चालकों का पसंदीदा संसाधन बनने के लिए तैयार है। कॉलेज जाने वाले युवाओं से लेकर आरामदायक स्कूटर की चाह रखने वाले व्यस्कों तक, सीआरएक्स हर उम्र के चालकों के लिए बेहतरीन है। 42 लीटर के स्पेशियस बूट, मोबाइल चार्जिंग पॉइन्ट (टाईप-सी और यूएसबी) तथा 150 किलोग्राम की ऊँची लोडिंग क्षमता के साथ यह इलेक्ट्रिक स्कूटर न सिर्फ आवागमन का साधन होगा बल्कि आराम, स्टाइल और व्यवहारिकता का शानदार संयोजन बन जाएगा। 55 किलोमीटर प्रति घण्टा की टॉप स्पीड देने वाला सीआरएक्स दो राइडिंग मोड्स में आता है- ईको और पावर, जो हर तरह के चालक के स्टाइल और उनकी पसंद पर खरा उतरेगा। सीआरएक्स बैटरी लाईफ़ बेहतर दक्षता के साथ सुनिश्चित करता है कि चालक को हर बार चार्ज करने पर अधिकतम क्षमता मिले। डेटा लॉगिंग क्षमता के द्वारा चालक इसके परफोर्मेन्स पर निगरानी रख सकता है

बुजुर्ग पेशनर्स का डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट घर पर ही बनेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। बुजुर्ग पेंशनभोगियों को हर साल अपने जीवित रहने का प्रमाण पत्र जमा करना होता है। सरकार ने इनकी आसानी के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा दी है। लेकिन इसके लिए भी किसी जन सुविधा केंद्र या साइबर कैफे में जाना होता है। अब पेंशनर्स को घर बैठे डिजिटल प्रमाण पत्र जमा करने में मदद के लिए डाक विभाग सामने आया है। डाक विभाग बुजुर्गों को यह सेवा उनके घर तक पहुंचाएगा। इस समय देश में करीब 68 लाख पेंशनर्स तो सिर्फ केंद्र सरकार के ही हैं। इनमें राज्य सरकारों के पेंशनर्स की संख्या जोड़ दी जाए तो यह आंकड़ा काफी बढ़ जाएगा।

देश भर में चलेगा अभियान

केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की तरफ से शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान से यह जानकारी मिली है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने 1-30 नवंबर, 2024 तक पूरे देश के सभी जिला मुख्यालयों और प्रमुख शहरों में डीएलसी अभियान 3.0 आयोजित करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि सभी जिला डाकघरों में डीएलसी अभियान 3.0 के लिए एक तैयारी बैठक 12 सितंबर, 2024 को वी श्रीनिवास, सचिव (डीओपीपीडब्ल्यू) द्वारा की गई थी जिसमें संजय शरण महानिदेशक डाक सेवाएं, राजुल भट्ट उप महानिदेशक डाक और आर. विश्वेश्वरन प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) भी शामिल हुए थे।

घर में मिलेगी सेवा

बयान में कहा गया है, ''डाक विभाग वृद्धों को घर-घर जाकर सेवाएं प्रदान करेगा/(और) पेंशनभोगियों को आवश्यकतानुसार डीएलसी जमा करने के लिए सूचित करेगा।'' इस योजना का बैनर, सोशल मीडिया, एसएमएस और लघु वीडियो के माध्यम से जागरूकता फैलाकर डीएलसी 3.0 अभियान का व्यापक प्रचार किया जाएगा।

तकनीकी सहायता कौन देगा?

केंद्र सरकार के बयान में बताया गया है कि यूआईडीएआई और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय शिविरों के दौरान तकनीकी सहायता प्रदान करेंगे। बयान के मुताबिक यह परिकल्पना की गई है कि सहयोग पेंशनभोगियों के डिजिटल सशक्तिकरण के लिए सरकार के प्रयासों को व्यापक और गहरा करेगा और उनके जीवन को आसान बनाने में काफी योगदान देगा।

डाकघरों में चलेगा डीएलसी अभियान

कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इस बात पर सहमति बनी थी कि जिला डाकघर पेंशनभोगी कल्याण संघों, पेंशन वितरण बैंकों और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के साथ समन्वय करके जिला डाकघरों में डीएलसी अभियान 3.0 का संचालन करेंगे। बयान में कहा गया है, ''पेंशनभोगी एंड्रॉयड स्मार्ट फोन से फेस ऑथेंटिकेशन का उपयोग करके जिला डाकघरों में जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) जमा कर सकते हैं।''

डिजिटल बिक्री प्लेटफ़ॉर्म greenkraft.co.in लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। चरणजीत सिंह, अतिरिक्त सचिव, MoRD ने वाराणसी में राष्ट्रीय आजीविका सम्मेलन के दौरान ग्रामीण समुदायों की महिलाओं द्वारा पूरी तरह से स्वामित्व वाले ऑनलाइन बिक्री प्लेटफ़ॉर्म greenkraft.co.in के लॉन्च की घोषणा की। इंडस्ट्रे फाउंडेशन द्वारा स्थापित ग्रीनक्राफ्ट एक ऐसा पहल है जो

केवल भारत में निर्मित उत्पादों की पेशकश करती है, जो महिलाओं के द्वारा बनाए और स्वामित्व किया जाता है, जो तमिलनाडु, कर्नाटक और ओडिशा में विभिन्न आत्म.सहायता समूहों (सात्तह्य) के सदस्य हैं।

इंडस्ट्रे फाउंडेशन गुणवत्ता और आकर्षक हाथ से बुने गए सामान में विशेषज्ञता रखता है, जो स्थानीय रूप से प्राप्त प्राकृतिक सामग्री जैसे कि केले की छाल, बांस और साल की पत्तियों से बनाए जाते हैं। मध्यस्थों को हटाकर और सीधे बाजार पहुंचाया जाता है, ग्रीनक्राफ्ट इन ग्रामीण महिला उद्यमियों की आय को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने की उम्मीद है।

इस नवीनतम व्यापार मॉडल में, उत्पन्न होने वाली 100 प्रतिशत आय महिलाओं उत्पादकों को जाती है, जिससे सुनिश्चित होता है, कि वे अपनी मेहनत और रचनात्मकता से पूरी तरह से लाभान्वित हों। यह पहल महिलाओं उद्यमियों को सशक्त करके समावेशी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार के मिशन के अनुरूप है और डिजिटल प्रौद्योगिकियों की क्षमता का उपयोग करके ग्रामीण भारत में आजीविका को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह प्लेटफ़ॉर्म ग्रामीण भारत की प्रतिभाशाली महिलाओं उत्पादकों का समर्थन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रीनक्राफ्ट लॉन्च के दौरान श्री चरणजीत सिंह ने कहा यह दृष्टिकोण गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और उत्पादकता को सुनिश्चित करता है, साथ ही भारत और विदेशों में गुणवत्ता वाले उत्पादों की सीधी बिक्री के माध्यम से महिलाओं के लिए पारदर्शिता,उचित वेतन और स्थिर आय सुनिश्चित करता है। यह अवधारणा एक जीवंत, उद्यमिता.संचालितए मांग.प्रेरित पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की अनुमति देती है, जो विभिन्न क्षेत्रों पर प्रभाव डाल सकती है। यह पहल सतत आजीविका को बढ़ावा देती है, जबकि ग्रामीण भारत की कला और शिल्प को उजागर करती है।

बांस महिलाओं के लिए आर्थिक बदलाव को प्रेरित कर सकता : नेजू जॉर्ज अब्राहम

नेजू जॉर्ज अब्राहम CEO, Industree Foundation ने कहा बांस महिलाओं के लिए आर्थिक बदलाव को प्रेरित कर सकता है, जिससे उनके उत्पादों को बाजारों से जोड़कर एक मिलियन आजीविकाएँ उत्पन्न करने के अवसर मिल सकते हैं। भारत सरकार की राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बांस को सतत आजीविका के लिए एक महत्वपूर्ण उप.क्षेत्र के रूप में मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रीनक्राफ्ट के इन सतत उत्सव सजावटों से यह विचार पेश किया गया है कि हम त्योहारों का आनंद लें बिना पृथ्वी को नुकसान पहुंचाए, साथ ही हमारी महिलाओं को भी खुश रखें इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रतिनिधि घर खरीदार और विकास संगठनों ने भाग लिया, जिन्होंने ग्रामीण उत्पादकों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म जैसे ग्रीनक्राफ्ट (GreenKraft) की भूमिका पर जोर दिया।

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने वर्ल्ड ईवी डे पर इको-फ्रेंडली परिवहन को नई परिभाषा देते हुए ई-ब्लू सिटी लॉन्च किया

भोपाल। नए-नए तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों बनाने वाली प्रमुख कंपनी, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने वर्ल्ड ईवी डे पर ई-ब्लू सिटी को लॉन्च किया है। ऑटो के आकार का यह नया ई-रिक्शा शहरों में यात्रा करने के अंदाज को बदलने के लिए तैयार है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 1,99,999 रुपये है। ई-ब्लूसिटी को शहरों में यात्रा करने के लिए स्थायी और प्रभावी साधनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। ई-ब्लू सिटी में ड्राइवर के अलावा चार लोग आराम से बैठ सकते हैं। यह भीड़भाड़ वाली शहर की गलियों में घूमने का आदर्श विकल्प है। गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के डायरेक्टर और सीईओ श्री हैदर खान ने इस लॉन्च के बारे में कहा, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स की कंपनी बिजली से चलने वाली गाड़ियों को और बेहतर बनाने की कोशिश कर रही है। उनका लक्ष्य है कि हर कोई आसानी से और प्रदूषण रहित गाड़ी चला सके। ई-ब्लू सिटी इसी कोशिश का हिस्सा है। इस गाड़ी को बनाने में इस बात का खास ध्यान रखा गया है कि यात्री और ड्राइवर दोनों को यात्रा करने में बहुत मज़ा आए। लेकिन सिर्फ अपनी गाड़ी का होना ही काफी नहीं है। बसों और अन्य सार्वजनिक वाहनों को भी प्रदूषण मुक्त बनाना बहुत ज़रूरी है। वर्ल्ड ईवी डे पर ई-ब्लू सिटी को पेश करके कंपनी ने दिखाया है कि वे एक हरा-भरा और बेहतर भविष्य चाहते हैं। कंपनी को पूरा यकीन है कि यह गाड़ी भारत के शहरों में यात्रा करने के तरीके को बदल देगी। यह दिखाता है कि कंपनी नई-नई गाड़ियां बनाने और पर्यावरण को बचाने के लिए हमेशा तैयार रहती है।

ई-ब्लू सिटी के आयाम को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। इसमें 2170 एमएम का व्हीलबेस, 993 एमएम की कुल चौड़ाई, 2795 एमएम की कुल लंबाई और कुल मिलाकर 1782 एमएम की ऊंचाई शामिल है। 240 एमएम की न्यूनतम ग्राउंड क्लीयरेंस की वजह से यह ई-रिक्शा शहरों में अलग-अलग जगहों तक आराम से जा सकता है। ई-रिक्शा का डिजाइन ऑटो के आकार का बनाया गया है। इसे चलाते समय ड्राइवर को सामने का ट्रैफिक स्पष्ट रूप से नजर आता है। इसमें एक ऑटोमैटिक वाइपर भी दिया गया है, जो इसमें सफर करने वाले लोगों की सुविधाओं को और बढ़ाता है। प्रदर्शन के लिहाज से, ई-ब्लू सिटी, 25 किमी प्रति घंटे की रेंज प्रदान करता है। एक बार चार्ज करने पर यह 95 किमी की सामान्य ड्राइविंग रेंज प्रदान करता है। इसका ग्रेडेबिलिटी और रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम इसे शहरी परिवहन के लिहाज से ऊर्जा की बेहतर बचत का विकल्प बनाते हैं। ई-ब्लूसिटी के दिल में एक शक्तिशाली ली-आयन बैटरी है, जिसका वोल्टेज 51.2वी और क्षमता 100एएच है, जो 1.6 किलोवॉट की पीक पावर और 20एनएम का पीक टॉर्क सुनिश्चित करती है।

टाटा प्ले क्लासिक टीवी पर पंकज कपूर के 'ऑफिस ऑफिस' की होगी वापसी

मुंबई, एजेंसी। जहाँ दैनिक जीवन में नौकरशाही की लेटलतीफी कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया महसूस होती है, वहीं ऑफिस ऑफिस में आम कार्यालयों में अपना काम करवाने में आने वाली दिक्कतों और परेशानियों का बखूबी चित्रण किया गया है। इसमें मुख्य किरदार पंकज कपूर ने निभाया है। इस धारावाहिक में भ्रष्ट नौकरशाही के बीच फँसे एक आम आदमी की स्थिति को बहुत ही व्यंग्यपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया गया है। प्रतिष्ठित रापा (रेडियो एवं टीवी एडवरटाईज़िंग प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) अवार्ड द्वारा 2001-02 में सर्वश्रेष्ठ कॉमेडी का पुरस्कार जीतने वाले ऑफिस ऑफिस के प्रसारण के लगभग 25 साल बाद आज भी दर्शक इसे भूल नहीं पाए हैं। यह धारावाहिक एक बार फिर टाटा प्ले क्लासिक पर हर शनिवार और रविवार को शाम 4ः30 बजे प्रसारित होने के लिए तैयार है। देखिए पंकज कपूर और ऑफिस ऑफिस के अन्य कलाकारों को अपनी मनोरंजक हरकतों के साथ हर सप्ताहांत केवल टाटा प्ले क्लासिक टीवी पर।

विदेशी मुद्रा भंडार सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचकर 689 अरब डॉलर हुआ, आंकड़े जारी

06 सितंबर, 2024 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.2 बिलियन डॉलर बढ़कर 689.24 अरब डॉलर के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार यह जानकारी दी। इससे पहले, 30 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.3 बिलियन डॉलर बढ़कर 683.99 बिलियन डॉलर के पिछले सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 5.10 बिलियन डॉलर बढ़कर 604.1 बिलियन डॉलर हो गई। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त, एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों की वृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल है। सोने के भंडार में 129 मिलियन डॉलर की वृद्धि देखी गई जो 61.98 बिलियन डॉलर हो गई। इस बीच, उपर्युक्त सप्ताह के लिए एसडीआर 4 मिलियन डॉलर बढ़कर 18.47 बिलियन डॉलर हो गया। आईएमएफ में भारत के रिजर्व की स्थिति 9 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.63 अरब डॉलर हो गई। आरबीआई, समय-समय पर, रुपये में भारी गिरावट को रोकने के उद्देश्य से, डॉलर की बिक्री सहित तरलता प्रबंधन के माध्यम से बाजार में हस्तक्षेप करता है। आरबीआई विदेशी मुद्रा बाजारों पर बारीकी से नजर रखता है और विनिमय दर में अत्यधिक अस्थिरता को नियंत्रित करके केवल व्यवस्थित बाजार स्थितियों को बनाए रखने के लिए हस्तक्षेप करता है।

ग्रे मार्केट में तूफान बना है यह आईपीओ, निवेशकों को बड़े मुनाफे के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। जिन निवेशकों को पीएन गाडगिल ज्वेलर्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) अलॉट हुआ है अब उन्हें लिस्टिंग का इंतजार है। लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट में इस आईपीओ का शानदार प्रीमियम दिख रहा है। आइए जानते हैं कि लिस्टिंग के दिन आईपीओ वाले निवेशकों को कितना मुनाफा हो सकता है। पीएन गाडगिल ज्वेलर्स लिमिटेड के आईपीओ को तगड़ा रेस्पॉन्स मिला है। गुरुवार को बोली के आखिरी दिन 59.41 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। एनएसई आंकड़ों के अनुसार, 1100 करोड़ रुपये की शुरुआती शेयर बिक्री में 1,68,85,964 शेयरों की बिक्री पेशकश के मुकाबले 1,00,31,19,142 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के कोटा को 136.85 गुना जबकि गैर संस्थागत निवेशकों की श्रेणी को 56.08 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के हिस्से को 16.58 गुना सब्क्रिप्शन प्राप्त हुआ। बता दें कि आईपीओ को मंगलवार को बोली खुलने के कुछ घंटों के भीतर ही पूरी तरह सब्सक्राइब कर लिया गया और दिन का अंत दोगुना सब्सक्रिप्शन के साथ हुआ। इससे पहले पीएन गाडगिल ज्वेलर्स लिमिटेड ने एंकर निवेशकों से 330 करोड़ रुपये जुटाए थे।

मोबिल ने चेन्नई में 'इंडियन रेसिंग फेस्टिवल 2024' के साथ भारत की पहली नाइट स्ट्रीट रेस की मेजबानी की

चेन्नई, एजेंसी। ऑटोमोटिव लुब्रिकेंट्स में लीडर मोबिल ने 31 अगस्त और 1 सितंबर को चेन्नई फॉर्मूला रेसिंग सर्किट में 'इंडियन रेसिंग फेस्टिवल 2024' के दौरान चेन्नई में भारत की पहली नाइट स्ट्रीट रेस के लिए रेसिंग प्रमोशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की। यह ऐतिहासिक आयोजन मोबिल के इंडियन रेसिंग फेस्टिवल के साथ जुड़ने का तीसरा वर्ष था। यह फेस्टिवल भारत में गति, कौशल, प्रौद्योगिकी और प्रदर्शन का शानदार संयोजन है ।

इंडियन रेसिंग लीग और फॉर्मूला 4 चैंपियनशिप दोनों के लिए आधिकारिक लुब्रिकेंट पार्टनर के रूप में, मोबिलइ ने 'पर्फोमेन्स बाय मोबिल 1 ' सूत्र पर फोकस के साथ भारतीय मोटरस्पोर्ट्स को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया है । आरपीपीएल द्वारा आयोजित इस महोत्सव में नवंबर 2024 तक पूरे देश में पांच रोमांचक दौर होंगे। इस कार्यक्रम में भारत में मोबिल 1 के 50 साल के शानदार सफर का जश्न भी मनाया गया। इस अवसर पर एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ श्री विपिन राणा ने कहा, हम इंडिया रेसिंग वीक का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं, यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो न केवल वैश्विक मोटरस्पोर्ट्स को आगे बढ़ाने के लिए हमारे समर्पण को प्रदर्शित करता है बल्कि भारत में रेसिंग के भविष्य को भी गति देता है। पिछले तीन वर्षों में हमने मोबिलइ उत्पादों से रेसर्स और रेसिंग से जुड़े लोगों का आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हे सशक्त बनाया है, जिससे उन्हें अपनी क्षमता को उजागर करने में बड़ी मदद मिली है।

आरपीपीएल के अध्यक्ष श्री अखिलेश रेड्डी ने कहा, हम मोबिलइ के साथ इस सहयोग पर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं । भारत की पहली नाइट स्ट्रीट रेस को जीवंत करने के लिए रोमांचित हैं। नाइट रेसिंग के उत्साह और ऊर्जा ने हमारे रेसर्स की प्रतिभा और जुनून को प्रदर्शित करते हुए महोत्सव में एक नया आयाम जोड़ा है। स्न4 और द्धक्र की सभी टीमों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई, और हम भविष्य में भी इसको जारी रखने की उम्मीद करते हैं। इस उत्सव ने लोगों का काफी ध्यान खींचा है जिसमें बॉलीवुड स्टार जॉन अब्राहम और अर्जुन कपूर, क्रिकेट के दिग्गज सौरव गांगुली और अभिनेता नागा चैतन्य जैसे सेलिब्रिटी टीम के मालिकों का बड़ा योगदान है।

अडोब एक्सप्रेस ने 8 भारतीय भाषाओं में फीचर अपडेट्स जारी किए, लाखों यूज़र्स को विविध भाषाओं और जनरेटिव एआई की शक्ति मिलेगी

मुंबई, एजेंसी। एडोब ने अपने ऑल-इन-वन कंटेंट क्रिएशन ऐप, अडोब एक्सप्रेस के लिए भारतीय भाषाओं के अपडेट जारी किए, जिससे भारत में लाखों लोग अपने विचारों, भावनाओं और व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए आकर्षक डिज़ाईन बना सकेंगे। डेस्कटॉप वेब और मोबाईल पर अडोब एक्सप्रेस के लिए इंटरफेस अब हिंदी, तमिल और बंगाली में उपलब्ध होगा, जिससे यूज़र्स अपनी स्थानीय भाषा में फीचर्स का उपयोग कर सकेंगे। स्थानीय कंटेंट निर्माण संभव बनाने के उद्देश्य से डेस्कटॉप वेब के लिए अडोब एक्सप्रेस में ट्रांसलेट फीचर दिया गया है, जो आठ भारतीय भाषाओं - हिंदी, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, तमिल, और तेलुगू को सपोर्ट करता है।

इसके साथ ही विद्यार्थियों से लेकर कंटेंट क्रिएटर्स तक सभी लोग अडोब एक्सप्रेस में अडोब फायरफ्लाई पॉवर्ड जेनएआई फीचर्स (जैसे जनरेटिव फिल और जनरेटिव इमेज) का उपयोग करके स्थानीय वीडियो, फ्लायर, रेज़्यूमे, बैनर, लोगो आदि बहुत तेजी से और आसानी से बना सकेंगे।

अडोब एक्सप्रेस और डिजिटल मीडिया सर्विसेज़ में सीनियर वाईस प्रेसिडेंट, गोविंद बालकृष्णन ने कहा, ''अडोब में हम निरंतर अपने उत्पादों में इनोवेशन लाकर अपने शक्तिशाली डिज़ाईन टूल्स ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचा रहे हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''अडोब एक्सप्रेस को लाखों एक्टिव यूज़र्स के साथ भारत में तेजी से अपनाया जा रहा है और हम अनेक भारतीय भाषाओं में यूज़र-इंटरफेस और ट्रांसलेशन फीचर पेश करके विभिन्न बाजारों में कंटेंट निर्माण की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उत्साहित हैं।''

कलाकार और क्रिएटर, नेहा शर्मा, जो नेहा डूडल्स के नाम से मशहूर हैं, ने कहा, ''भारत जैसे विशाल देश में विभिन्न भाषाओं में अलग-अलग ग्राहकों के लिए कंटेंट निर्माण और रचनात्मक अभिव्यक्ति किए जाते हैं। स्वतंत्रता दिवस के लिए अडोब एक्सप्रेस के साथ मेरे गठबंधन से मुझे आसानी से और बहुत तेजी से जेन एआई का उपयोग करने में मदद मिली और मैंने कई भारतीय भाषाओं में कंटेंट का निर्माण करके अपनी पहुँच का विस्तार किया।'' अडोब एक्सप्रेस में नई स्थानीय भाषाओं की क्षमताओं से यूज़र्स अनेक जनरेटिव एआई-पॉवर्ड फीचर्स का उपयोग कर सकेंगे, जिससे उन्हें टूल इंटरफेस की मदद से आठ भारतीय भाषाओं में कंटेंट का निर्माण करने की क्षमता मिलेगी। स्थानीय भाषा के यूज़र्स टूल को आसानी से नैविगेट कर सकेंगे, जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ेगी, और वो उपयोगी फीचर्स एवं टेंपलेट्स की मदद से अपना टास्क तेजी से पूरा कर सकेंगे।

ऑटो ट्रांसलेशनः सिंगल से मल्टिपल पेज फाईल्स के टैक्स्ट को आसानी से ट्रांसलेट करता है, जिससे मैन्युअल ट्रांसलेशन और बाहरी टूल्स की मदद लेने की जरूरत नहीं पड़ती है। ट्रांसलेट फीचर एक प्रीमियम पेशकश है, जो सीमित अवधि के लिए निशुल्क उपलब्ध है। यूज़र्स इस फीचर की मदद से अडोब एक्सप्रेस में इंग्लिश टेंपलेट के विस्तृत कलेक्शन को अपनी स्थानीय भाषा में अनुवाद करके आसानी से उपलब्ध और कस्टमाईज़ कर पाएंगे। ट्रांसलेट फीचर का उपयोग कैसे होता है, यह यहाँ सीखें।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी : भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराया

टीम इंडिया की लगातार पांचवीं जीत

इससे पहले कोरिया को दी थी मात

हुलुनबुइर। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। शनिवार को पूल स्टेज के एक मैच में हरमनप्रीत सिंह की टीम इंडिया ने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। कप्तान हरमनप्रीत ने दोनों गोल दागे। भारत की यह इस टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत रही। टीम इंडिया पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। भारत ने अपने पहले मैच में दक्षिण कोरिया को 3-1 से हराया था। वहीं, दूसरे मैच में टीम इंडिया ने मलयेशिया को 8-1 से रौंदा था। तीसरे मैच में भारतीय टीम ने जापान को 5-1 से शिकस्त दी थी। वहीं, चौथे मैच में चीन को हरमनप्रीत की टीम ने 3-0 से हराया था। भारत ने अब तक इस टूर्नामेंट में 21 गोल दागे हैं, जबकि चार गोल खाए हैं। भारत के डिफेंस ने शानदार काम किया है।

हरमनप्रीत ने दागे दो गोल

भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 13वें मिनट और 19वें मिनट ने दोनों गोल दागे। वहीं, पाकिस्तान की ओर से एकमात्र गोल अहमद नदीम ने सातवें मिनट में किया था। उन्होंने गोल से पाकिस्तान को 1-0 से आगे कर दिया था। हालांकि, हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दाग टीम इंडिया की वापसी कराई। सेमीफाइनल के मुकाबले 16 सितंबर और फाइनल मैच 17 सितंबर को खेला जाएगा। पिछले कुछ समय से भारतीय हॉकी टीम का पाकिस्तान के खिलाफ पलड़ा काफी भारी रहा है। 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से रौंद दिया था। यह भारत की पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत में से एक रही थी।

टूर्नामेंट को जीतने का प्रबल दावेदार भारत

इससे पहले चेन्नई में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान को 4-0 से हराया था। जकार्ता में 2022 एशिया कप में युवा भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 1-1 से ड्रॉ पर रोका, जबकि 2021 के एशियन चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर कांस्य पदक जीता था। इस साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में भारत समेत कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारत इस टूर्नामेंट को जीतने का प्रबल दावेदार है। भारत ने पिछले साल घरेलू मैदान पर खिताब जीता था। भारत ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा चार बार इस खिताब को अपने नाम किया है। वहीं, पाकिस्तान ने तीन बार टूर्नामेंट जीता है। दक्षिण कोरिया सिर्फ एक ही बार टूर्नामेंट जीत पाया है।

सूर्यकुमार को दिग्गजों से मिली शुभकामनाएं

नई दिल्ली। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव शनिवार को 34 साल के हो गए। इस खास मौके पर उन्हें फैन्स और दिग्गज खिलाड़ियों की तरफ से शुभकामनाएं मिलीं। सूर्या ने टी20 क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है और वह इस फॉर्मेट में भारतीय टीम को कई यादगार जीत दिला चुके हैं। सूर्यकुमार टी20 में जैसी बल्लेबाजी करते हैं, उन्हें रोक पाना हर किसी टीम के बस की बात नहीं होती है। सूर्यकुमार की बल्लेबाजी देखकर साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स की याद आ जाती है। सूर्या को भारत का 'मिस्टर 360' कहना कतई अनुचित नहीं होगा। सूर्या फिलहाल इंजरी से जूझ रहे हैं और वो दलीप ट्रॉफी 2024 में शुरुआती दो मैचों से बाहर रहे हैं। हालांकि उनके बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलने की उम्मीद है। भारत और बांग्लादेश के बीच अगले महीने (अक्टूबर) तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जानी है। सूर्या ने अभी तक भारत के लिए 1 टेस्ट, 71 टी20 और 37 वनडे मुकाबले खेले हैं। टी20 इंटरनेशनल में सूर्या ने 42.66 की औसत से 2432 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और 20 अर्धशतक शामिल रहे। टी20 इंटरनेशनल में सूर्या का स्ट्राइक-रेट 168.65 का रहा है, जो उनकी तूफानी बैटिंग को दर्शाता है। सूर्या काफी समय तक आईसीसी की टी20 रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज रह चुके हैं। फिलहाल वह रैंकिंग में नंबर-2 हैं।

टी-20 इंटरनेशनल में मैक्सवेल के बाद दूसरे खिलाड़ी

देखा जाए तो सूर्यकुमार ऐसे तीसरे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने टी20 इंटरनेशनल में चार या उससे ज्यादा शतक लगाए हैं। रोहित शर्मा (भारत) और ग्लेन मैक्सवेल (ऑस्ट्रेलिया) ही टी20 इंटरनेशनल में शतकों के मामले में सूर्या से आगे हैं। साल 2022 सूर्यकुमार यादव के लिए काफी दमदार रहा था, जहां उन्होंने कुल 31 इंटरनेशनल टी20 मैचों में 1164 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 2 शतक और नौ अर्धशतक लगाए थे। सूर्या टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 'प्लेयर ऑफ द मैच' अवॉर्ड जीतने के मामले में संयुक्त रूप से टॉप पर हैं। सूर्यकुमार, विराट कोहली (भारत) और वीरनदीप सिंह (मलेशिया) टी20 इंटरनेशनल में 16-16 बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने हैं। वैसे सिकंदर रजा (जिम्बाब्वे) और मोहम्मद नबी (अफगानिस्तान) भी ज्यादा पीछे नहीं हैं।

तनीषा-कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। भारत की तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए वियतनाम ओपन सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। ध्रुव और तनीषा की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 44 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियाथ की हमवतन शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को 14-21, 21-10, 21-14 से हराया। क्रास्टो और कपिला को लय में आने में समय लगा। शुरुआती गेम में सतीश और आद्या हावी रहे। इसके बाद क्रास्टो और कपिला ने अच्छा खेल दिखाया और दूसरे गेम में आसानी से जीत दर्ज की। तीसरे और निर्णायक गेम में दोनों जोड़ियों ने एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन क्रास्टो और कपिला ने एक बार बढ़त हासिल करने के बाद उसे बनाए रखा और सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं, थारुन मन्नेपल्ली का शानदार अभियान हालांकि अंतिम आठ के मुकाबले में समाप्त हो गया।

शोएब मलिक पर फिक्सिंग के आरोप, 19 साल पुराना है मामला

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट एक बार फिर शर्मसार हो गया है क्योंकि दिग्गज खिलाड़ी बासित अली ने शोएब मलिक पर मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोप लगाए हैं. सालों पहले मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद आमिर और सलमान बट पर लगे फिक्सिंग के आरोपों की याद अब एक बार फिर ताजा हो गई है. दरअसल बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर शोएब पर आरोप लगाए हैं कि उन्होंने जानबूझकर अपनी टीम को हराया था। दरअसल बासित अली ने साल 2005 में हुई नेशनल टी20 कप के मुद्दे को एक बार फिर उछाल दिया है. पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी ने उस टूर्नामेंट में हुए सियालकोट स्टालियंस बनाम कराची जेब्राज मैच को याद किया, जिसमें स्टालियंस को आखिरी 4 ओवर में महज 25 रन बनाने थे. स्टालियंस के कप्तान शोएब मलिक अर्धशतक लगाकर क्रीज पर डटे हुए थे और उनकी टीम जीत की दहलीज पर खड़ी थी. मलिक 53 गेंद में 88 रन बनाकर नाबाद लौटे थे, फिर भी उनकी टीम 4 रन से मैच हार गई थी. इस कारण स्टालियंस और मलिक की पारी पर सवाल खड़े होने लगे थे। हालांकि शोएब मलिक ने मैच के बाद हुए एक इंटरव्यू में अपनी पारी का बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन लोगों के लिए उनकी बातों पर भरोसा करना बहुत मुश्किल काम प्रतीत हो रहा था. मलिक पर बाद में जुर्माना भी ठोका गया. बासित अली यहीं नहीं रुके क्योंकि उन्होंने मलिक को चैंपियंस वनडे कप 2024 में मलिक को स्टालियंस का मेंटॉर बनाए जाने को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) पर भी निशाना साधा है। पाकिस्तानी टीम के खिलाड़ियों का मैच फिक्सिंग से बहुत पुराना नाता रहा है. मोहम्मद आसिफ, सलमान बट और मोहम्मद आमिर के स्पॉट फिक्सिंग स्कैंडल ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी थीं. उनके अलावा मोहम्मद इरफान, खालिद लतीफ और आकिब जावेद समेत कई पाक खिलाड़ियों का नाम मैच फिक्सिंग मामलों से जुड़ा रहा है।

सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब रोहित शर्मा

नई दिल्ली। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच खेलेंगे। रोहित ने चेन्नई में तैयारी शुरू कर दी है। वे इस मुकाबले के दौरान वीरेंद्र सहवाग का ऑल टाइम रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। रोहित के पास टेस्ट में छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। दरअसल टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड वीरेंद्र सहवाग के नाम दर्ज है। उन्होंने 104 मैचों में 91 छक्के लगाए हैं। रोहित को सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 8 छक्कों की जरूरत है. उन्होंने अभी तक 59 टेस्ट मैचों में 84 छक्के लगाए हैं। रोहित ने टेस्ट फॉर्मेट में 452 चौके भी लगाए हैं। वे अब चेन्नई टेस्ट में टीम इंडिया के लिए कमाल कर सकते हैं। रोहित टेस्ट मैचों में दोहरा शतक लगा चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर 212 रन रहा है। रोहित इस फॉर्मेट में 12 शतक और 17 अर्धशतक लगा चुके हैं। बता दें कि भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा. इस मुकाबले के लिए टीम इंडिया ने चेन्नई में ट्रेनिंग शुरू कर दी है।

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलियाई बॉलरों की निकाली हवा, फाइनल आज

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच खेली जा रही तीन टी-20 मैचों की सीरीज का दूसरा मैच जीतकर इंग्लैंड ने सीरीज बराबर कर ली है। दूसरे टी20 मैच में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की हवा निकाल दी। तीसरा और निर्णायक मैच आज रविवार 15 सितंबर को खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 6 गेंद पहले 19 ओवर में 7 विकेट पर 194 रन बनाकर बाजी मार ली। लियाम लिविंगस्टोन को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। लियाम लिविंगस्टोन ने 47 गेंद में 87 रन की पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल हैं। जैकब बेथेल ने शानदार पारी खेली। 24 गेंद में 44 रन बनाए। 4 चौके और 3 छक्के उड़ाए। इन दोनों खिलाड़ी ने 47 गेंद में 90 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। 10 ओवर के बाद इंग्लैंड ने मैच अपने नाम कर लिया। अगले पांच ओवरों में लाइम-बेथेल की जोड़ी ने खूब धमाल मचाया। इंग्लैंड को तीन विकेट से जीत दिलाई। तीसरा और निर्णायक मैच रविवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 193 रन बनाए। चुनौती पूर्ण लक्ष्य का पीछा करने के लिए उतरे इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसका स्कोर एक समय तीन विकेट पर 79 रन था। लिविंगस्टोन और बेथेल ने यहीं से मोर्चा संभाला। बेथेल के 24 गेंदों में 44 रन बनाकर आउट होने से इंग्लैंड की स्थिति फिर से नाजुक हो गई।

तिलक वर्मा के शतक से भारत ए मजबूत

नई दिल्ली। लंबे समय बाद वापसी कर रहे युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने दलीप ट्रॉफी 2024 में जमकर रंग जमाया है। इस होनहार बल्लेबाज ने अनंतपुर में खेले जा रहे राउंड दो के मैच में भारत डी के खिलाफ जोरदार सेंचुरी जड़ी। मैच के तीसरे दिन इंडिया ए ने 115/1 के स्कोर से शुरुआत की। तिलक को यहां प्रथम सिंह का अच्छा साथ मिला, जिनके साथ उन्होंने दूसरे विकेट के लिए 104 रन जोड़े। प्रथम ने मैच में 189 गेंदों पर 122 रनों की शानदार पारी खेली। प्रथम और तिलक के शतकों के दम पर इंडिया ए ने इंडिया डी के सामने 488 रनों का विशाल लक्ष्य रखा है। तिलक अपना 17वां फर्स्ट क्लास मैच रहे है। इससे पहले वर्मा ने अब तक अपने करियर में 50 की औसत से 1170 रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक शामिल हैं। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121 रन रहा है। पहली पारी में तिलक कुछ कमाल नहीं कर पाए थे और 33 गेंद में 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। प्रथम के आउट होने के बाद तिलक को रियान पराग का अच्छा साथ मिला, जिनके बीच 45 रनों की साझेदारी हुई। इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले तिलक वनडे और टी-20 में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने साल 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था, जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 में डेब्यू किया।

टेस्ट क्रिकेट में क्रांति लाने में विराट की अहम भूमिका : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी रिकी पोंटिंग ने भारत में टेस्ट क्रिकेट में क्रांति लाने में पूर्व कप्तान विराट कोहली की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि देश के बल्लेबाज अब बड़े मंच से नहीं डरते और इसका सबूत विदेशों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनकी सफलता है। पोंटिंग ने पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के योगदान की भी सराहना की जिन्होंने जून में भारत को टी20 विश्व कप खिताब दिलाने के बाद यह पद छोड़ दिया था। पोंटिंग ने कहा, ''कोहली की कप्तानी की शुरुआत की बात करें तो उन्होंने क्रिकेट को बदलने में बड़ी भूमिका निभाई और राहुल द्रविड़ ने पिछले चार साल में इसे जारी रखा। कोहली जैसे खिलाड़ी का टीम पर प्रभाव बहुत शानदार होगा और उनके पास स्टार खिलाड़ी हैं।'' भारतीय टीम कोहली की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी थी। इसके अलावा टीम ने अन्य स्थानों पर भी कुछ यादगार जीत दर्ज की। कोहली ने कप्तानी में अपनी आक्रामकता से सभी को यह विश्वास दिलाया कि भारतीय टीम विदेशों में भी जीत सकती है और जब वह टीम में नहीं थे तब भी उनका आत्मविश्वास टीम पर हावी रहा। ऑस्ट्रेलिया में 2020-21 में पिछली टेस्ट श्रृंखला के दौरान कोहली वामिका के जन्म के कारण पहले मैच के बाद भारत रवाना हो गए थे। लेकिन रहाणे की कप्तानी में भारत ने सीरीज में 2-1 से ऐतिहासिक जीत हासिल की।

टीम इंडिया को मिला दूसरा 'भुवनेश्वर कुमार'

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2024 के पहले राउंड में युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था। इसी बीच दूसरे राउंड में भी युवा खिलाड़ियों का जलवा बरकरार है। दलीप ट्रॉफी 2024 में इंडिया ए और इंडिया डी के बीच मैच चल रहा है। इस मैच में युवा तेज गेंदबाज आकिब खान ने सभी का ध्यान अपनी और खींचा है। उन्होंने अपनी स्विंग और रफ्तार से सभी को प्रभावित किया है। इंडिया डी के खिलाफ उन्होंने 12 ओवर में 41 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इस दौरान उन्होंने 2 ओवर मेडेन भी किए थे। आकिब खान ने अपनी स्विंग से काफी ज्यादा प्रभावित किया है। भुवनेश्वर कुमार के बाद से टीम इंडिया एक अच्छे स्विंग बॉलर की तलाश कर रही है। ऐसे में वो आने वाले समय में भुवी की को पूरा कर सकते हैं। इस मुकाबले में सभी की निगाह संजू सैमसन पर टिकी हुई थी। लेकिन आकिब खान के आगे उनकी भी एक ना चली। वो भी आकिब खान की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में आउट हो गए। उन्होंने 5 रन बनाए थे। आकिब खान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के संसारपुर गांव के रहने वाले हैं। उन्हें 2019 में अंडर-19 भारतीय टीम में चुना गया था। उन्होंने अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। आईपीएल में मुंबई इंडियंस ने उन्हें अपना नेट बॉलर के रूप में चुना था। उनका एक्शन अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार से मिलता है। उन्हें भुवी का उत्तराधिकारी भी कहा जाता है। आप को जानकार हैरानी होगी लेकिन आकिब के फेवरेट बॉलर भी भुवनेश्वर कुमार ही हैं।

धूप का चश्मा पहनकर बैटिंग करने पर श्रेयस की फजीहत

नई दिल्ली। भारत के मध्यक्रम बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के लिए यह सप्ताह आदर्श से बहुत दूर रहा है। 29 वर्षीय श्रेयस अय्यर को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया, जिसकी घोषणा रविवार को बीसीसीआई ने की थी। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने मध्यक्रम में केएल राहुल और ऋषभ पंत के साथ मुंबई के सरफराज खान को तरजीह दी। यह सब तब हुआ जब उन्होंने बेंगलुरु के पास अनंतपुर में रुतुराज गायकवाड़ की अगुआई वाली इंडिया सी के खिलाफ अपने पहले दौर के मैच की दूसरी पारी में इंडिया डी की अगुआई करते हुए 54 रन बनाए। इस प्रकार अय्यर को दलीप ट्रॉफी में खेलना जारी रखना पड़ा, जिससे उन्हें उम्मीद थी कि वे 12 सितंबर, गुरुवार को शुरू हुए मयंक अग्रवाल की अगुवाई वाली इंडिया ए के खिलाफ दूसरे दौर के मैच में बड़ा स्कोर दर्ज कर सकेंगे, लेकिन दूसरे दिन की सुबह जब उनकी टीम इंडिया ए को 290 रनों पर आउट कर दिया, तो इंडिया डी के कप्तान अय्यर ने बल्लेबाजी के लिए उतरते समय धूप का चश्मा पहनकर फैशन स्टेटमेंट बनाया। हालांकि, कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान के धूप का चश्मा पहनने के फैसले पर सोशल मीडिया पर कुछ दिलचस्प प्रतिक्रियाएं आईं, जब वह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद की गेंद पर सात गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। अय्यर का आउट होना काफी आसान था क्योंकि उन्होंने एक फुल डिलीवरी को मिड ऑन की ओर खेला, जहां उत्तर प्रदेश के तेज गेंदबाज आकिब खान ने अपनी बाईं ओर दौड़ते हुए एक बेहतरीन कैच पूरा किया। अय्यर इंडिया डी की पारी के चौथे ओवर में आउट हो गए, जब इंडिया ए ने अपने रात के स्कोर 288/8 में सिर्फ़ दो रन जोड़े और आउट हो गई। कप्तान के आउट होने के बाद इंडिया डी का स्कोर 6/2 था और उसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे।

टीम इंडिया में वापसी को लेकर ईशान की दिखी बेसब्री

नई दिल्ली। भारतीय टीम से पिछले काफी समय से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन दलीप ट्रॉफी 2024 में इंडिया सी टीम की तरफ से खेल रहे हैं। ईशान ने दूसरे राउंड के मुकाबले में इंडिया बी टीम के खिलाफ मैच में पहले बल्ले से बेहतरीन 126 गेंदों में 111 रनों की पारी खेली तो वहीं इसके बाद दूसरे दिन के खेल में उन्होंने गेंदबाजी में भी एक ओवर फेंका। ईशान किशन लगातार टीम इंडिया में फिर से अपनी वापसी को लेकर मेहनत कर रहे हैं जिसमें इस मुकाबले में उनकी बेसब्री साफतौर पर देखने को मिली। दलीप ट्रॉफी का दूसरा दिन काफी रोमांचक रहा जिसमें इंडिया डी टीम की तरफ से खेल रहे श्रेयस अय्यर भी गेंदबाजी में करते दिखे और वह 6 साल के बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपना पहला विकेट भी हासिल करने में कामयाब हुए। ईशान किशन ने अपने ओवर में दिए 7 रन दलीप ट्रॉफी में इंडिया बी और सी के बीच मुकाबला अनंतपुर के स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में इंडिया सी टीम को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला और उन्होंने 525 रन अपनी पहली पारी में बनाए। दूसरे दिन जब इंडिया बी टीम बल्लेबाजी करने उतरी तो उनकी पारी के 73वें ओवर में गेंदबाजी करने की जिम्मेदारी ईशान किशन ने निभाई।

रवि अश्विन को चेन्नई टेस्ट से पहले पत्नी ने किया विश

नई दिल्ली। भारत-बांग्लादेश के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज होनी है। इस सीरीज का पहला टेस्ट 19 सितंबर से चेन्नई में खेला जाएगा। बहरहाल, इस टेस्ट से पहले भारतीय स्पिनर रवि अश्विन की पत्नी पृथ्वी ने अपने पति को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर रवि अश्विन की तस्वीरें शेयर कर कैप्शन में लिखा- चेन्नई टेस्ट के लिए भावनाएं सामने आ रही हैं। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए टीम इंडिया चेन्नई पहुंच चुकी है। इस तरह रवि अश्विन अपने होम ग्राउंड पर खेलेंगे। अब तक रवि अश्विन चेपॉक में 5 टेस्ट खेल चुके हैं। इस मैदान पर रवि अश्विन ने 23.60 की औसत से 30 विकेट झटके हैं। वहीं, चेपॉक में रवि अश्विन का बेस्ट बॉलिंग फिगर 103 रन देकर 7 विकेट है। बहरहाल, सोशल मीडिया पर रवि अश्विन की वाइफ पृथ्वी नारायणन की स्टोरी तेजी से वायरल हो रही है। इसके अलावा सोशल मीडिया यूजर्स लगातार कमेंट्स कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अब तक रवि ने 100 टेस्ट मैचों के अलावा 116 वनडे और 65 टी20 मैचों में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व किया है। इन तीनों फॉर्मेट में रवि अश्विन के नाम क्रमशः 516, 156 और 72 विकेट दर्ज हैं। इसके अलावा अश्विन ने बल्लेबाज में भी अपनी छाप छोड़ी है।

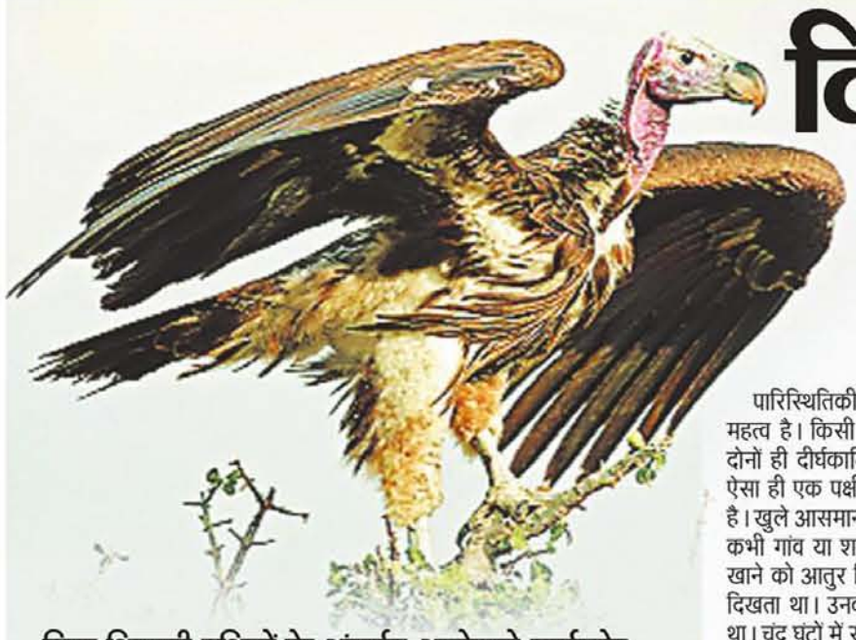

विलुप्ति के कगार पर पर्यावरण मित्र

गिद्ध शिकारी पक्षियों के अंतर्गत आनेवाले मुर्दाखोर पक्षी हैं, जिन्हें गृद्ध कुल (Family Vulturidae) में एकत्र किया गया है। ये सब पक्षी दो भागों में बांटे जा सकते हैं। पहले भाग में अमरीका के कॉण्डर, किंग वल्चर, कैलिफोर्नियन वल्चर, टर्की बजर्ड और अमरीकी ब्लैक वल्चर होते हैं और दूसरे भाग में अफ्रीका और एशिया के राजगृद्ध, काला गिद्ध, चमर गिद्ध, बड़ा गिद्ध और गोबर गिद्ध मुख्य हैं। ये कत्थई और काले रंग के भारी कद के पक्षी हैं, जिनकी दृष्टि बहुत तेज होती है। शिकारी पक्षियों की तरह इनकी चोंच भी टेढ़ी और मजबूत होती है, लेकिन इनके पंजे और नाखून उनके जैसे तेज और मजबूत नहीं होते। ये झुंडों में रहने वाले मुर्दाखोर पक्षी हैं, जिनसे कोई भी गंदी और घिनौनी चीज खाने से नहीं बचती। ये पक्षियों के सफाईकर्मी हैं, जो सफाई जैसा आवश्यक काम करके बीमारी नहीं फैलने देते।

पारिस्थितिकी तंत्र में हर पशु पक्षी का अपना स्थान और अपना महत्व है। किसी भी प्रजाति की बहुलता या किसी की विलुप्तता दोनों ही दीर्घकालिक तौर पर इस तंत्र को नुकसान पहुंचाती है। ऐसा ही एक पक्षी है गिद्ध जो आज विलुप्तता की कगार पर खड़ा है। खुले आसमान में बड़े-बड़े डैने फैलाकर उड़ान भरने वाला गिद्ध कभी गांव या शहरों के सड़क किनारे सड़े हुए पशुओं का मांस खाने को आतुर गिद्ध का झुंड बच्चों को हवाई जहाज से कम नहीं दिखता था। उनकी वजह से आसपास का वातावरण दुर्गंध मुक्त था। चंद घंटों में सड़ी-गली लाशों को चट करने की अद्भुत शक्ति थी। गिद्धराज पर्यावरण के सफाईकर्मी के रूप में वातावरण की शुद्धता व संतुलन को बनाए रखता था। कई ऐसी किवदंतियां हैं, जिसमें गिद्धों को आध्यात्मिक व पर्यावरण का हितैषी बताया गया है। पर्यावरण का यह हितैषी एवं सफाईकर्मी अलग-अलग देशों में कई रूप-रंगों में पाया जाता है। इन सभी तथ्यों के बावजूद आज जो बात जमीनी स्तर पर खड़ी है वह यह कि यह प्राकृतिक रूप से लाभकारी पक्षी अपनी विलुप्तता के कगार पर खड़ा है। दक्षिणी एशिया में गिद्ध की तीन प्रजातियां 97 प्रतिशत तक विलुप्त हो चुकी हैं, वहीं एक प्रजाति तो 99.9 प्रतिशत तक विलुप्त हो चुकी है। गिद्धों की विलुप्तता की प्रक्रिया डोडो समेत बहुत सी जंगली पक्षियों से ज्यादा तेजी से हुई है। भारत में इनकी 9 प्रकार की प्रजातियां हैं। डेढ़ से दो दशक में गिद्धों की संख्या 97 प्रतिशत नष्ट हो गयी है। 20 वर्ष पहले तक भारत में गिद्धों की संख्या लगभग 9 .5 लाख थी। अब उनकी संख्या मात्र 3-4 हजार ही शेष रह गई है। गिद्धों की तीन प्रजातियां (व्हाइट बैक्ड, स्लेंडर बिल्ड, लॉंग बिल्ड) तेजी से विलुप्त होती जा रही है। यह पर्यावरण के परिस्थितिकीय चक्र के लिए अशुभ संकेत है।

भारतीय गिद्ध पुरानी दुनिया का गिद्ध है जो नई दुनिया के गिद्धों से अपनी सूंघने की शक्ति में भिन्न हैं। यह मध्य और पश्चिमी से लेकर दक्षिणी भारत तक पाया जाता है। प्रायः यह जाति खड़ी चट्टानों के श्रंग में अपना घोंसला बनाती है, परन्तु राजस्थान में यह अपना घोंसला पेड़ों पर बनाते हुए भी पाए गए हैं। अन्य गिद्धों की भांति यह भी अपमार्जक या मुर्दाखोर होता है और यह ऊंची उड़ान भरकर इंसानी आबादी के नजदीक या जंगलों में मुर्दा पशु को ढूंढ लेते हैं और उनका आहार करते हैं। इनके चक्षु बहुत तीक्ष्ण होते हैं और काफी ऊंचाई से यह अपना आहार ढूंढ लेते हैं। यह प्राय: समूह में रहते हैं। भारतीय गिद्ध का सिर गंजा होता है, उसके पंख बहुत चौड़े होते हैं तथा पूंछ के पर छोटे होते हैं। इसका वजन 5.5 से 6.3 किलो होता है। इसकी लंबाई 80-103 सेमी तथा पंख खोलने में 1.96 से 2.38 मी. की चौड़ाई होती है।

आज भारतीय गिद्धों का प्रजनन बंदी हालत में किया जा रहा है। इसका कारण यह है कि खुले में यह विलुप्ति की कगार में पहुंच गए हैं। शायद इनकी संख्या बढ़ जाए। गिद्ध दीर्घायु होते हैं लेकिन प्रजनन में बहुत समय लगाते हैं। गिद्ध प्रजनन में 5 वर्ष की अवस्था में आते हैं। एक बार में एक से दो अण्डे पैदा करते हैं लेकिन अगर समय खराब हो तो एक ही चूजे को खिलाते हैं। यदि परभक्षी इनके अण्डे खा जाते हैं तो यह अगले साल तक प्रजनन नहीं करते हैं। यही कारण है कि भारतीय गिद्ध अभी भी अपनी आबादी बढ़ा नहीं पा रहा है। बुद्धिजीवियों का मानना है कि गिद्ध मुर्दाखोर है। विकृत शरीर को देखकर लोग डर जाते हैं। पर, यह प्राणी धरती पर पसरे सड़े-गले मांस को पचाने की विचित्र क्षमता रखता है। आज तो किसी जानवर की मौत हो जाए तो सड़क किनारे लोग लाश को फेंक देते हैं। पहले गांव में पशुओं की लाश ले जाने के लिए चर्मकार समुदाय आगे आता था, क्योंकि इनके आजीविका का आधार चमड़ा था। अब तो किसान/पशुपालक स्वयं लाशों को सड़क किनारे फेंकने लगे हैं। लाश को मिट्टी में दफनाने वालों की संख्या ना के बराबर है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से लाश सड़ेगी तो संक्रमण फैलेगा व हैजा, फेंफड़े आदि के रोग होंगे। ब्रिटेन के रॉयल सोसायटी के शोध में कहा गया है कि भारत में सरकार जरूर प्रतिबंध लगाया है, पर डायक्लोफेनिक की मार्केटिंग गांव-शहरों में खूब हो रही है। निरक्षरता व जागरूकता की कमी की वजह से गिद्धों का समुचित संरक्षण नहीं हो रहा है। जानकार मानते हैं कि पशु-पक्षी अभयारण्य संस्था को दुर्लभ पक्षियों की प्रजातियों को बचाने के लिए अभियान चलाना चाहिए। बच्चों के पाठ्यक्रम में पशु-पक्षियों को बचाने के लिए प्रेरणात्मक कहानी को शामिल करना चाहिए। ताकि आने वाली पीढ़ी कहानियों के जरिए दुर्लभ पक्षियों की ओर आकृष्ट होंगे और पर्यावरण को बचाने में अहम् भूमिका अदा करेंगे। जिस रफ्तार से परिस्थितिकीय चक्र बिगड़ रहा है, किसान खेतों में कीटनाशक प्रयोग कर रहे हैं व पशु चिकित्सक मवेशियों को दर्द दूर करने के बजाय प्रतिबंधित दवा चला रहे हैं, वह दिन दूर नहीं जब धरती संकटकाल से गुजरेगी। प्राणियों की सांसें थमने लगेंगी। समय रहते दुर्लभ पक्षियों के संरक्षण और उत्थान की जोरदार वकालत नहीं हुई तो गिद्धों को बचाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी होगा।

दर्दनाशक दवा से खत्म होते गिद्ध

प्रकृति ने हर प्राणी को एक नियम के तहत बनाया गया है, हर प्राणी को एक नियत जिम्मेवारी दी गई है, प्रकृति के इस चक्र में साफ-सफाई का काम करने वाले गिद्धों की संख्या पिछले एक दशकों में एकाएक घट गई है, लगभग सम्पूर्ण दक्षिण एशिया में विलुप्त हो रहे गिद्धों को बचाने के लिए भारत सरकार ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसके तहत पशुओं को दी जाने वाली उस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया है जिसके कारण गिद्धों की मौत हो रही थी। संरक्षण कार्यकर्ताओं का कहना है कि पिछले 12 सालों में गिद्धों की संख्या में आश्चर्यजनक रूप से 97 प्रतिशत की कमी आई है और वे विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गए हैं। इसका मुख्य कारण बताया जा रहा है कि पशुओं को दर्दनाशक के रुप मे एक दवा डायक्लोफेनाक दी जाती है और इस दवाई को खाने के बाद यदि किसी पशु की मौत हो जाती है तो उसका मांस खाने से गिद्धों मर जाते हैं। भारत, पाकिस्तान और नेपाल में हुए सर्वेक्षणों में मरे हुए गिद्धों के शरीर में डायक्लोफेनाक के अवशेष मिले हैं। उपचार के बाद पशुओं के शरीर में इस दवा के रसायन घुल जाते हैं और जब ये पशु मरते हैं तो उनका मांस खाने वाले गिद्धों की किडनी और लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचता है, जिससे वे मौत का शिकार हो जाते हैं। इन्हीं कारणों से भारत में गिद्धों की संख्या तेजी से कम हो रही है। साथ ही शहरी क्षेत्रों में बढ़ता प्रदूषण, कटते वृक्षों से गिद्धों के बसेरे की समस्या भी इस शानदार पक्षी को बड़ी तेजी से विलुप्ति के कगार पर धकेल रही है, वैसे भी भारतीय समाज में गिद्धों को हेय दृष्टि से देखा जाता है, मरे हुए प्राणियों का मांस नोचने वाले इस पक्षी को सम्मान या दया की दृष्टि से नहीं देखा जाता है। मुर्दाखोर होने की वजह से गिद्ध पर्यावरण को साफ-सुथरा रखते है और सड़े हुए मांस से होने वाली कई बीमारियों की रोकथाम में सहायता कर संतुलन बैठाते है। ब्रिटेन के रॉयल सोसायटी फॉर प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स में अंतरराष्ट्रीय शोध विभाग के प्रमुख डेबी पेन का कहना है कि गिद्धों की तीन शिकारी प्रजातियां चिंताजनक रुप से कम हुई हैं, उनका कहना है, हालांकि अब भारत में डायक्लोफेनाक पर प्रतिबंध लगा दिया गया है लेकिन भोजन चक्र से इसका असर खत्म होने में काफी वक्त लगेगा। गौरतलब है कि टनों की संख्या के यह दवा गांव-शहरों में उपलब्ध है, निरक्षरता और इस सम्बन्ध में कोई समुचित जानकारी नहीं होने से इस पर लगाए गए प्रतिबन्ध इतनी जल्दी असरदार साबित होंगे, इसमें शक लगता है। रेगिस्तानी इलाकों के मुख्यतः पाए जाने वाले गिद्धों की संख्या सिर्फ गुजरात में ही 2500 से घटकर 1400 रह गई है। कभी राजस्थान व मध्यप्रदेश में भी गिद्ध भारी संख्या में पाए जाते थे, लेकिन अब बिरले ही कहीं दिखाई देते हों। गिद्धों की जनसंख्या को बढ़ाने के सरकारी प्रयासों को मिली नाकामी से भी इनकी संख्या में गिरावट आई है। इनकी प्रजनन क्षमता भी संवर्धन के प्रयासों में एक बड़ी बाधा है, गिद्ध जोड़े साल में औसतन एक ही बच्चे को जन्म देते हैं। भारत में कभी गिद्धों की नौ प्रजातियां पाई जाती थी- बियर्डेड, इजिप्शयन, स्वैंडर बिल्ड, सिनेरियस, किंग, यूरेजिन, लॉंगबिल्ड, हिमालियन ग्रिफिम एवं व्हाइट बैक्ड। इनमें से चार प्रवासी किस्म की हैं।

संरक्षण के लिए उठाए गए कदम

पशुओं के इलाज के दौरान उन्हें दी जाने वाली दर्द निवारक दवा डायक्लोफेनिक ही गिद्धों के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा है, यह बात आज से करीब दो दशक पहले ही उजागर हो गई थी। डायक्लोफेनिक से गिद्धों की मौत होने की जानकारी करीब 18 साल पहले ही मिल गई थी, लेकिन तब से लेकर आज तक गिद्धों में दवा के असर को कम करने का कोई तरीका ढूंढा नहीं जा सका है। भारत सरकार भी हाल ही में हुए सर्वेक्षणों की रिपोर्ट आने के बाद मान गई कि इस दवाई के कारण ही गिद्धों की मौत हो रही है। नतीजतन भारत सरकार से संबद्ध नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ ने डायक्लोफेनाक पर प्रतिबंध लगाने की अनुशंसा की थी, जिसे प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्वीकार कर डायक्लोफेनाक की जगह दूसरी दवाइयों के उपयोग को मंजूरी दे दी।

गिद्धों के बारे में जानो अचरजभरी बातें

गिद्ध एक ऐसी बदसूरत चिड़िया है जिसकी खानपान की आदतें पारिस्थितिकी तंत्र या ईको सिस्टम के लिए जरूरी हैं। हालांकि इसके लिए उसे श्रेय शायद ही दिया जाता है। खैर, गिद्ध के बारे में हम चाहें जैसी भी राय रखते हों, लेकिन उनके बारे में एक बात तो साफ है कि वो खतरे में हैं। पिछले एक दशक के दौरान भारत, नेपाल और पाकिस्तान में उनकी तादात में 95 प्रतिशत तक की कमी आई है और ऐसे ही रुझान पूरे अफ्रीका में देखे गए हैं। ये पक्षी जिन शवों को खाते हैं, उससे उनके शरीर में जहर पहुंच रहा है। कुछ लोग मानते हैं कि जानवरों को दी जाने वाली दवाओं के कारण ऐसा हो रहा है, जबकि दूसरे लोग मानते हैं कि नियमों को ताक पर रखकर किए जा रहे शिकार के कारण इनकी संख्या घट रही है। इनका शिकार इसलिए भी किया जा रहा है ताकि ये गैंडों और हाथियों की मौत के बारे में चेतावनी न दे सकें। साइमन थॉमसेट जैसे संरक्षणवादी इन पक्षियों की दुर्दशा को लेकर जागरुकता फैलाने का काम कर रहे हैं। वो गिद्धों के अनूठे गुणों को बताकर हमारे नजरिए को बदलने के लिए भी काम कर रहे हैं। आइए उनके ऐसे ही कुछ गुणों के बारे में जानते हैं।

बुलंद उड़ान

गिद्ध सबसे ऊंची उड़ान भरने वाला पक्षी है। इसकी सबसे ऊंची उड़ान को रूपेल्स वेंचर ने 1973 में आइवरी कोस्ट में 37,000 फीट की ऊंचाई पर रिकॉर्ड किया था, जब इसने एक हवाई जहाज को प्रभावित किया था। ये ऊंचाई एवरेस्ट (29,029 फीट) से काफी अधिक है और इतनी ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी से ज्यादातर दूसरे पक्षी मर जाते हैं। इसके बाद गिद्ध को लेकर हुए अध्ययनों से उनके हीमोग्लोबिन और हृदय की संरचना से संबंधित कई ऐसी विशेषताओं के बारे में पता चला, जिनके चलते वो असाधारण वातावरण में भी सांस ले सकते हैं। गिद्ध भोजन की तलाश में एक बड़े इलाके पर नजर डालने के लिए अक्सर ऊंची उड़ान भरते हैं।

अफ्रीका के सबसे बड़े पेटू

अफ्रीका आने वाले प्रत्येक पर्यटक को लगता है कि जंगली जानवरों को खाने वालों में सबसे आगे शेर, हाइना, तेंदुए, चीते, जंगली कुत्ते और गीदड़ हैं, लेकिन ऐसा है नहीं। वो एक उदाहरण अफ्रीकी क्षेत्र सेरेंगेती का उदाहरण देते हैं, जहां एक अनुमान के मुताबिक हर साल मृत पशुओं का सड़ा मांस और कंकाल कुल चार करोड़ टन से अधिक होते हैं। मांसाहारी जीव (स्तनधारी) इसके केवल 36 प्रतिशत हिस्से को खा सकते हैं और बाकी गिद्धों के हिस्से में आता है। इस संसाधन के लिए जीवाणु और कीड़े गिद्धों से मुकाबला करते हैं, लेकिन इसके बावजूद गिद्ध ही सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। गिद्ध बीमारियों को फैलने से रोकने के साथ ही जंगली कुत्तों जैसे अन्य मुर्दाखोरों की संख्या को सीमित रखने में भी मददगार साबित होते हैं।

कोई सरहद न इन्हें रोके

गिद्ध अपने भोजन के लिए काफी अधिक दूरी तय कर सकते हैं। रूपेल्स वेंचर ने हाल में एक गिद्ध को तंजानिया स्थित अपने घोंसले से उड़ात भरते हुए केन्या के रास्ते सूडान और ईथोपिया तक सैर करते हुए कैमरे में कैद किया। शोधकर्ताओं के एक अंतरराष्ट्रीय दल ने पाया कि सूखे के दौरान केन्या के मसाई मारा रिजर्व से ये पक्षी जंगली हिरणों का पीछा करते हुए अपने भोजन की तलाश में दूसरे स्थानों तक जाते हैं। सीमाओं को पार करने की इस आदत के कारण इन पक्षियों को परेशानी भी उठानी पड़ती है। एक बात तो सऊदी अरब में स्थानीय मीडिया ने इन पक्षियों पर इसराइली जासूस होने का आरोप भी लगा दिया।

करामाती पेशाब

तुर्की के गिद्ध अपने पैरों पर पेशाब करते हैं और उनकी ये आदत आपको भले ही अच्छी न लगे, लेकिन वैज्ञानिकों का अनुमान है कि उनकी इस आदत से उन्हें बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। सड़े हुए मांस पर खड़े होने के कारण गिद्धों के पैरों में गंदगी लग जाती है और ऐसा अनुमान है कि गिद्धों के पेशाब में मौजूद अम्ल उनके पैरों को कीटाणुओं से मुक्त बनाने में मदद करता है।

असीमित विस्तार

दक्षिण अफ्रीकी केप गिद्ध एक सीध में करीब 1000 किलोमीटर तक की दूरी तय करने के लिए बिजली के विशाल खंभों का अनुसरण करते हैं। ऐसी मानवनिर्मित चीजों की मदद लेने के अपने जोखिम भी हैं। बिजली के खंभों पर ठहरने या घोंसला बनाने से तारों से चिपक जाने और करंट लगने का जोखिम रहता है. बिजली के तार निजी खेतों से भी गुजरते हैं और भोजन की तलाश में इन स्थानों पर घूमने के दौरान जहर की चपेट में आने की आशंका भी बनी रहती है।

विविधतापूर्ण खानपान

ये सही है कि गिद्धों को सड़ा हुआ मांस और मृत पशुओं को खाने के लिए जाना जाता है, लेकिन सभी गिद्ध केवल सड़ा हुआ मांस नहीं खाते हैं। जैसा कि नाम से ही जाहिर होता है पाम नट वल्चर (गिद्ध) कई तरह के अखरोट, अंजीर, मछली और कभी कभी पक्षियों को भी खाता है। कंकालों के मुकाबले इसे कीड़े और ताजा मांस पसंद है। गिद्धों की सबसे बड़ी अफ्रीकी प्रजाति लैप्पेट-फेस्ड वल्चर के पंख 2.9 मीटर तक चौड़े होते हैं और इसे मुर्गी के जिंदा बच्चे भोजन के रूप में अधिक पसंद हैं।

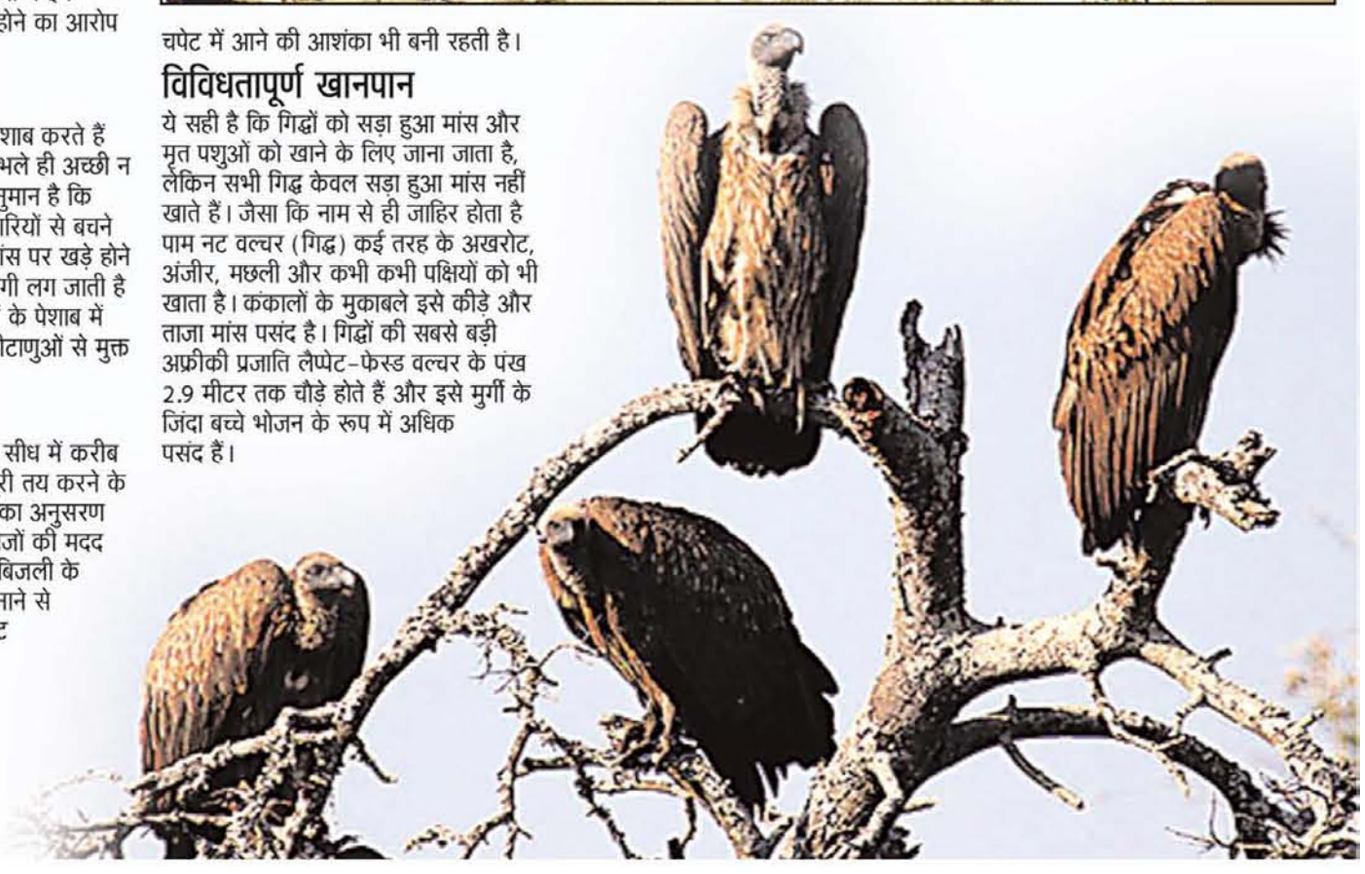

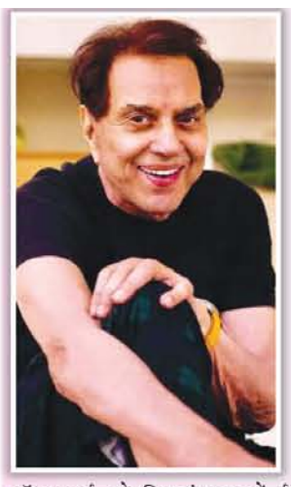

ईशा ने धर्मेंद्र को कहा पुरानी सोच वाला

ईशा देओल ने धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी होने के बावजूद अपनी मेहनत और स्ट्रगल से इंडस्ट्री में खास जगह बनाई है। ईशा से पहले उनके दोनों भाई सनी और बॉबी देओल पहले से इंडस्ट्री में काम कर रहे थे। हालांकि धर्मेंद्र नहीं चाहते थे ईशा फिल्मों में काम करें। ईशा ने खुद इस बारे में हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बताया। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र चाहते थे कि ईशा 18 साल की उम्र में ही शादी कर लें।

हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में ईशा ने कहा कि उनके पिता धर्मेंद्र रूढ़िवादी थे। वह चाहते थे कि ईशा जल्द शादी कर लें क्योंकि यही वह देखते आए थे। ईशा ने कहा, 'पापा नहीं चाहते थे कि मैं फिल्मों में काम करूं। वह पंजाबी पिता थे और चाहते थे कि मैं 18 साल की उम्र में शादी कर लूं। यह उनकी कंडिशन थी, वह ऐसे माहौल में ही रहे हैं जहां महिलाओं की जल्दी शादी हो जाती थी। लेकिन मेरी परवरिश अलग थी।' ईशा का कहना है कि वह अपनी मां को देखते हुए बड़ी हुई हैं और उनके करियर से वह काफी प्रेरित थीं। वह भी मां की तरह अपना नाम फिल्मों में बनाना चाहती थीं। लेकिन उन्हें पिता को मनाने में टाइम लगा। वह बोलीं, 'मैं जानती थी कि मुझे कुछ बनना है, लेकिन कुछ समय लगा पापा को मनाने में। यह आसान नहीं था, लेकिन अब अलग स्टोरी है।'

सोनाक्षी की मां पूनम का टूटा 'सब्र का बांध'

सोनाक्षी सिन्हा ने जहीर इकबाल के साथ शादी को याद करते हुए अपने पेरेंट्स के पहले रिएक्शन के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने बताया है कि जहीर संग उनके रिश्ते पर शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा क्या सोचते हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने जहीर इकबाल ने 24 जून को इंटरफेथ मैरिज की थी। शादी से पहले कपल ने कभी भी अपने रिलेशन को पब्लिक नहीं किया था। अचानक शादी की खबर आते ही लोगों को बड़ा झटका लगा था। सोनाक्षी और जहीर की शादी में कपल के पैरेंट्स शामिल हुए थे,लेकिन खबरें चल रही थी कि उनके घर के लोग इस शादी से खुश नहीं हैं। खबरें थीं कि सोनाक्षी के पैरेंट्स शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा कपल की शादी से नाराज हैं। हालांकि बाद में शत्रुघ्न सिन्हा ने अपनी बेटी सोनाक्षी सिन्हा की शादी पर अपना 'सब्र का बांध' तोड़ा और बताया कि वो इस शादी से बहुत खुश हैं। इसी बीच सोनाक्षी सिन्हा ने एक इंटरव्यू में बताया है कि उनके पेरेंट्स इस शादी के बारे में क्या सोचते हैं और उनका पहला रिएक्शन कैसा था।

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल के शादी को लगभग 82 दिन हो गए हैं। इस तीन महीनों में कपल दो से तीन बार हनीमून पर जाकर वापिस लौट चुके हैं। हाल ही में कपल यूरोप से छुट्टियां मनाकर लौटे हैं। इसी बीच सोनाक्षी सिन्हा ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में जहीर से शादी करने के बारे में खुलकर बात की है। सोनाक्षी ने अपने पेरेंट्स के पहले रिएक्शन के बारे में बताया है। सोनाक्षी ने बताया कि उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा ने पूरी तरह से शादी में साथ दिया था। सोनाक्षी ने बताया कि जहीर और उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा शादी से पहले कई बार मिले हैं और दोनों के बीच प्यारा सा रिश्ता है। सोनाक्षी ने कहा, "सभी दोस्त और परिवार हमारे रिश्ते के बारे में सालों से जानते थे। इस रिश्ते से मेरे पापा बहुत खुश थे। वो बोलते थे जब मिया बीवी राजी तो क्या करेगा काजी?"

खतरों के खिलाड़ी में आएंगी आलिया

रोहित शेट्टी का शो खतरों के खिलाड़ी 14 अब फिनाले की ओर बढ़ रहा है। हर किसी को ये जानने का इंतजार है कि शो का विनर कौन होगा। वहीं, शो की फिनाले को लेकर एक अच्छी खबर आ रही है। शो के फिनाले में खास मेहमान मौजूद रहेंगे। मेहमानों की लिस्ट में बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और एक्टर वेदांग रैना का नाम शामिल है। आलिया भट्ट और वेदांग रैना अपनी आनेवाली फिल्म जिगरा का प्रमोशन करने के लिए पहुंचेंगे। आलिया भट्ट और वेदांग रैना शो के फिनाले में खास अपीरियंस देंगे। साफ है कि आलिया भट्ट और वेदांग अपनी आनेवाली फिल्म के प्रमोशन के लिए खतरों के खिलाड़ी में मेहमान बनकर पहुंचेंगे। इसके अलावा खबर ये भी है कि टीवी के कुछ चेहरे भी शो के फिनाले में नजर आएंगे।

टीवी एक्टर अर्जुन बिजलानी,भारती सिंह और राहुल वैद्य भी शो के फिनाले में नजर आएंगे। बता दें,सोशल मीडिया पर खबरें है कि इस बार टीवी एक्टर अर्जुन बिजलानी बिग बॉस के घर में नजर आ सकते हैं। बिग बॉस का नया सीजन अक्टूबर में शुरू होगा। वहीं, जल्द ही शो का पहला टीजर भी रिलीज होने वाला है। सलमान खान ने प्रोमो शूट कर लिया है। वहीं, आलिया भट्ट और वेदांग की फिल्म जिगरा की बात करें तो यह फिल्म 11 अक्टूबर को रिलीज हो जाएगी। फिल्म में आलिया भट्ट अपने भाई को बचाने की जंग लड़ती नजर आएंगी।

सोहम शाह ने 'तुम्बाड 2' का किया ऐलान!

सोहम शाह फिल्म्स द्वारा निर्मित फिल्म तुम्बाड छह साल बाद सिनेमाघरों में वापस आ गई है। ऐसे में फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और ज्यादा बढ़ाते हुए मेकर्स ने अब इसके सीक्वल तुम्बाड 2 की घोषणा कर दी है एक ड्रामेटिक वीडियो के ज़रिए तुम्बाड 2 की घोषणा की जाती है, जिसके साथ ही उत्साह और भी बढ़ रहा है। टीज़र की शुरुआत विनायक और उसके बेटे पांडुरंग से होती है, जिसमें सोहम शाह की आवाज़ एक रहस्यमय चेतावनी देती हुई सुनाई देती है,"समय का पहिया गोल है, जो बीत गया वो फिर लौट के आएगा दरवाज़ा भी एक बार फिर खुलेगा।

टीजर के आखिर में "प्रलय, प्रलय फिर आएगा" शब्द सुनाई देते हैं, जो आने वाले सीक्वल की भव्यता की ओर इशारा करते हैं। फिल्म तुम्बाड के अभिनेता और निर्माता सोहम शाह ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा है, तुम्बाड हमारे लिए एक खास और प्यार भरा प्रोजेक्ट रहा है। फिल्म के लिए लगातार मिल रहे प्यार को देखकर बहुत अच्छा लग रहा है और यह सोहम शाह फिल्म्स में हमारे इस विश्वास को मजबूत करता है कि अच्छा कंटेंट ही किंग है। तुम्बाड 2 के साथ,हम सिनेमाई अनुभव और सीमाओं को और भी आगे ले जाना चाहते हैं। तुम्बाड 2 दर्शकों को हमारी बनाई दुनिया में और भी गहराई से ले जाएगा, जिसमें बड़े ट्विस्ट और ज्यादा नजदीक से चीजे देखी जाएंगी, यह बताते हुए की जब लालच की कोई सीमा नहीं होती है तो क्या होता है।

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 2' के साथ कपिल शर्मा की वापसी

कपिल शर्मा, सुनील ग्रोवर, कीकू शारदा, राजीव ठाकुर, कृष्णा अभिषेक और अर्चना पूरन सिंह 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के दूसरे सीजन के साथ वापस आ रहे हैं।

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 2 के निर्माताओं ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर शो का ट्रेलर जारी किया,जिससे प्रशंसकों को आने वाले समय की एक झलक मिल गयी। ट्रेलर मज़ेदार वन-लाइनर्स और मनोरंजक क्षणों से भरा है। एक हिस्से में, कपिल शर्मा अपने सेलिब्रिटी मेहमानों को साड़ियों और उनके डिजाइनरों की पहचान करने की चुनौती देते हैं। महीप कपूर ने जाने-माने डिजाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा बनाई गई एक खूबसूरत साड़ी का नाम बताया। सीज़न में बॉलीवुड अभिनेता आलिया भट्ट, सैफ अली खान, जान्हवी कपूर, जूनियर एनटीआर, करण जौहर और महीप कपूर सहित एक रोमांचक अतिथि इस सीजन का हिस्सा रहेंगे। वेदांग रैना, सीमा सजदेह, नीलम कोठारी और भावना पांडे जैसे अन्य सेलिब्रिटी मेहमान भी इस मौज-मस्ती में शामिल होंगे। एक विशेष एपिसोड में, टी20 विश्व कप चैंपियन रोहित शर्मा, सूर्य कुमार यादव और अर्शदीप सिंह भी उपस्थित होंगे। निर्माताओं ने ट्रेलर पोस्ट में एक कैप्शन जोड़ा, जिसमें कहा गया, "जब आपके पसंदीदा मेहमान कपिल और गैंग से मिलेंगे, तो शनिवार का फनीवार बनना पक्का है।

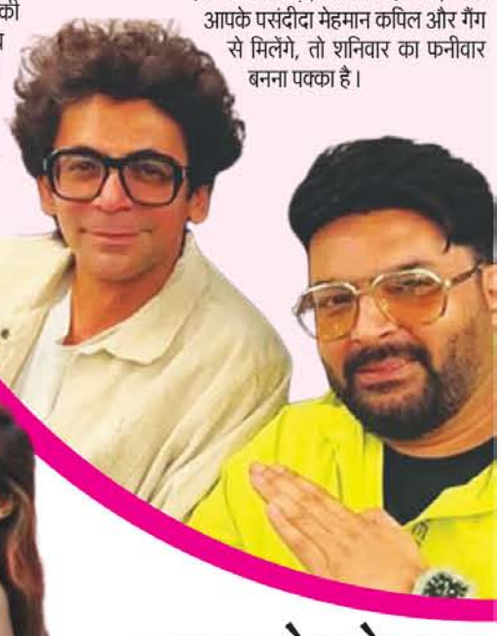

बिग बॉस के घर में फिर नजर आएंगी मनीषा रानी

सलमान खान जल्द ही बिग बॉस के नए सीजन के साथ टीवी पर वापसी करने वाले हैं। शो का प्रोमो भी शूट हो चुका है। वहीं, सोशल मीडिया पर उन नामों की चर्चा भी होने लगी है जो इस साल बिग बॉस के घर में नजर आ सकते हैं। एक के बाद एक कई नाम साटमने आ रहे हैं। वहीं, फैंस भी शो को लेकर उत्साहित हैं। अब इस शो के लिए बिग बॉस ओटीटी की कंटेस्टेंट मनीषा रानी का नाम भी सामने आ रहा है।

बिग बॉस से जुड़ी खबरें देने वाले इंस्टाग्राम पेज biggboss.tazakhabar पर ये जानकारी दी गई है कि बिग बॉस 18 के लिए मनीषा रानी को अप्रोच किया गया है। हालांकि, अभी मनीषा रानी की तरफ से शो को लेकर हामी नहीं भरी गई है। बता दें, शो को लेकर खबर है कि इस बार शो का थीम पास्ट, प्रेजेंट और फ्यूचर होगी। इसी थीम की वजह से घर में आपको कुछ पुराने चेहरे भी नजर आ सकते हैं। सोशल मीडिया पर खबरें हैं कि हार्दिक पांड्या की एक्स वाइफ नताशा को भी शो के लिए अप्रोच किया गया है। नताशा सीजन 8 का हिस्सा रह चुकी हैं। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया जा रहा है कि बिग बॉस सीजन 17 के विनर मुनव्वर फारूकी भी इस सीजन में नजर आ सकते हैं। सोशल मीडिया पर हो रहे नामों की चर्चा में समीरा रेड्डी, कशिश कपूर, जैन सैफी, पूजा शर्मा, डॉली चायवाला, दिग्विजय सिंह राठी, फैजल शेख (मिस्टर फैजू), शीजान खान, हर्ष बेनिवाल, सुरभि ज्योति, करण पटेल और सोमी अली का नाम सामने आ रहा है।

अद्भुत के सेट पर डरावना अनुभव

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की आने वाली फिल्म अद्भुत के सेट पर लोगों को डरावना अनुभव का सामना करना पड़ा। सोनी मैक्स सुपरनैचुरल थ्रिलर, अद्भुत रिलीज करने के लिए तैयार है, जिसका प्रीमियर 15 सितंबर को पर होगा। इस फिल्म के निर्देशक सब्बीर खान ने शूटिंग के दौरान अनुभव की गई एक पारलौकिक घटना का जिक्र किया। शूटिंग के शुरुआती 10-12 दिनों के दौरान, सीन को शूट करते हुए, कुछ डरावना घटित हुआ। जैसे ही वह 'एक्शन' कहते हैं, वैसे ही सेट पर लगी हुई लाइट्स बेतहाशा झिलमिलाने लगती थी, और सीन के कट होने की बाद ही उनका झिलमिलाना बंद होता है। हर रिटेक में, उन्हें कुछ इसी तरह का अनुभव होता है।

सिद्धांत चतुर्वेदी को मिला था ब्रह्मास्त्र का ऑफर

ब्रह्मास्त्र में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और अमिताभ बच्चन जैसे एक्टर्स थे और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपर हिट साबित हुई थी। ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ इंटरव्यू में सिद्धांत ने बताया कि फिल्म में रोल के लिए बातचीत शुरुआती दौर में ही थी। सिद्धांत ने कहा, 'उस समय चर्चा काफी शुरुआती समय में थी। मैं तो कुछ नहीं था, सिर्फ एक स्ट्रगलर ही था। मैं अयान मुखर्जी, धर्मा और ब्रह्मास्त्र को मना करने वाला कौन होता हूं।'

उन्होंने बताया कि फिल्म में अमिताभ बच्चन के स्कूल में स्टूडेंट के रोल के लिए उनके नाम पर विचार किया गया था। धर्मा प्रोडक्शन के साथ तीन फिल्मों की डील करना काफी लुभाने वाला था, लेकिन उनके पिता को लगा कि यह सही नहीं होगा। एक्टर ने कहा, 'वे उस समय स्क्रिप्ट लिख रहे थे और मैं काफी एक्साइटेड था। मैं कर भी लेता, लेकिन मेरे पिता ने मुझे ऐसा नहीं करने दिया। उन्होंने मुझसे कहा कि तुम इससे बेहतर हो। मैं काफी खुश था कि मुझे धर्मा प्रोडक्शन से तीन फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट मिलने वाला है। मैं अयान से भी मिला और उन्होंने मुझे फिल्म के विजन के बारे में बताया। मैंने उस समय तक ऐड्स ही किए थे तो मैं कुछ भी नहीं था। मैंने अपने पिता से बताया कि फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और अमिताभ बच्चन हैं तो उन्होंने मुझसे कहा कि तो तुझे कौन देखेगा। सिद्धांत ने इंटरव्यू में आगे बताया कि उन्हें रोल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, बस एक्शन सीन के बारे में पता था जहां उन्हें तीर चलाना था। इससे उनके पिता इम्प्रेस नहीं हुए और रोल को पूरी तरह से न समझे हुए उसे नहीं निभाने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'नहीं बेटा, मुझे नहीं लगता कि तुम्हें यह करना चाहिए। क्या तुम्हारे पास स्क्रिप्ट है? क्या तुमने ऑडिशन दिया है। अगर तुम्हें यह तक नहीं पता कि फिल्म में क्या करने जा रहे हो तो अपनी किस्मत मत बेचो।'

तृप्ति के खाते में धड़ाधड़ गिरीं फिल्में

तृप्ति डिमरी एनिमल फिल्म के बाद रातों-रात नैशनल क्रश बन गई थीं। भाभी 2 के रोल ने उनकी किस्मत के सितारे बुलंद कर दिए और एक के बाद एक कई फिल्में उनकी झोली में हैं। रीसेंटली साजिद नाडियाडवाला ने उनके साथ एक मूवी अनाउंस की है। देखिए उनकी अपकमिंग फिल्मों की पूरी लिस्ट। नाडियाडवाला एंड संस ने 13 सितंबर को अनटाइटल्ड फिल्म का अनाउंसमेंट किया है। इसमें तृप्ति डिमरी शाहिद कपूर के अपोजिट लीड रोल में होंगी। फिल्म को डायरेक्ट करेंगे विशाल भारद्वाज। मूवी की रिलीज डेट भी अनाउंस नहीं की गई है। नाडियाडवाला एंड संस ने 13 सितंबर को अनटाइटल्ड फिल्म का अनाउंसमेंट किया है। इसमें तृप्ति डिमरी शाहिद कपूर के अपोजिट लीड रोल में होंगी। फिल्म को डायरेक्ट करेंगे विशाल भारद्वाज। मूवी की रिलीज डेट भी अनाउंस नहीं की गई है। धड़क के सीक्वल धड़क 2 के लिए भी तृप्ति डिमरी को साइन किया गया है। इसमें उनके अपोजिट सिद्धांत चतुर्वेदी होंगे।

रवीना टंडन ने लंदन में अपने प्रशंसकों से मांगी माफ़ी

रवीना टंडन ने अपने सोशल मीडिया के एक्स अकाउंट पर घटना के बारे में अपने विचार और भावनाएं साझा की और बताया कि उन्होंने इस तरह की प्रतिक्रिया क्यों दी।अपने पोस्ट में रवीना ने कहा कि मुंबई के बांद्रा में पिछली घटना के दौरान उनपर नशे में होने और कार दुर्घटना का कारण बनने का झूठा आरोप लगाया गया था। मुंबई पुलिस ने बाद में दावों का खंडन किया, लेकिन ऐसे अनुभव ने उन्हें झकझोर कर रख दिया है, इसलिए लंदन में जब उनके प्रशंसक ने उनके साथ एक सेल्फी लेनी चाही तो उन्होंने इंकार कर दिया। रवीना ने लिखा, नमस्कार, 'कुछ दिन पहले लंदन में मैं पैदल जा रही थी और कुछ लोग मेरे पास आए। और जब उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं रवीना टंडन हूँ तो मैं थोड़ा पीछे हट गयी और मेरी प्रवृत्ति यह थी कि मैं ना कह दूं और और तेजी से चली जाऊं, क्योंकि मैं अकेली थी, मुझे लगता है कि वे सिर्फ एक तस्वीर चाहते थे और मैं ज्यादातर समय इसके लिए तैयार रहती हूँ लेकिन मैंने उन्हें मन कर दिया क्योंकि कुछ महीने पहले बांद्रा में हुई घटना के बाद से मैं थोड़ा घबरा गयी हूं और सदमे में हूं, इसलिए जब मैं लोगों के साथ होती हूं तो ठीक रहती हूं, लेकिन अकेले में इन दिनों भी थोड़ा घबरा जाती हूं।

अभिनेत्रियों ने पर्ल-कोर लुक में बिखेरा जलवा!

बॉलीवुड में आलिया भट्ट, जान्हवी कपूर, शरवरी बाघ, कृति सैनन और कुबरा सैत समेत कई अभिनेत्रियों ने पर्ल-कोर लुक में अपना जलव बिखेरा है। अब वो दिन चले गए जब सिर्फ डायमंड्स ही लड़कियों के बेस्ट फ्रेंड होते थे।अब मोतियों ने भी फैशन की दुनिया में अपनी जगह बना ली है, और बॉलीवुड अभिनेत्रियां इसे खूब पसंद कर रही हैं। आलिया भट्ट ने वर्ष 2023 के मेट गाला में अपनी शानदार एंट्री की, जिसमें उन्होंने प्रबल गुरुंग का सफेद प्रिंसेस गाउन पहना, जो अलग-अलग आकार के मोतियों से सजा हुआ था। स्टाइलिस्ट अनाइता श्रॉफ द्वारा स्टाइल किया गया आलिया का लुक बेहतरीन मोती के इयररिंग्स, बेज़ूल्ड फिंगरलेस ग्लव्स और नाजुक लेकिन बड़े छल्लों के साथ पूरा हुआ। उनका साधारण मेकअप और बिची वेव्स गाउन के साथ बिल्कुल सही मेल खा रहे थे, जिससे मोती ही मुख्य आकर्षण बन गए।

जान्हवी कपूर का फैशन सेंस हमेशा अनोखा और ग्लैमरस रहा है! एनएमएसीसी लॉन्च के रेड कार्पेट पर जान्हवी ने मनीष मल्होत्रा का कस्टम लहंगा पहना। जान्हवी ने एक खूबसूरत मोती से सजी ब्लाउज पहनी और उसे इन्ट्रीकेट थ्रेड वर्क वाले लहंगे के साथ मिलाया। उनका केप दुपट्टा मोती की डिटेलिंग और धागे की कारीगरी का शानदार मेल था। उनका लुक मोती की चोकर, साधारण क्रिस्टल स्टड्स और स्लीक बैक बन के साथ पूरा हुआ, जबकि उनका ग्लॉसी और हल्का मेकअप उनकी खूबसूरती को और भी निखार रहा था। कुबरा सैत अपने फैशन प्रयोगों के लिए जानी जाती हैं। इस बार वह अभिषेक शर्मा के गाउन में मोतियों की देवी जैसी दिखीं, जो हजारों मोतियों की परतों से बनी थी। उन्होंने ग्लैमरस मेकअप के साथ ग्लिटरी आंखें और प्लम लिप शेड चुना, जिसे बड़े लटकते इयररिंग्स और सीधे बालों के साथ मिलाकर स्टाइल किया। एनएमएसीसी गाला में, शरवरी वाघ ने अबू जानी संदीप खोसला की खूबसूरत सफेद साड़ी पहनी। साड़ी में रफल्स, पंख, और दर्जनों मोतियों की खूबसूरत डिटेलिंग थी। शर्वरी ने इस साड़ी को एक ओटीटी ब्लाउज के साथ पहना, जिसमें स्ट्रक्चर्ड शोल्डर्स थे और हजारों मोतियों की कारीगरी की गई थी। उनका सिंपल मेकअप और एक्सेसरीज, जिसमें क्रिस्टल स्टड और गुलाबी ग्लॉसी लिप्स शामिल थे, इस भारी लुक को संतुलित कर रहे थे। कृति सेनन ने मनीष मल्होत्रा की सफेद सिल्क-सैटिन साड़ी में एलिगेंस का प्रदर्शन किया, जिसमें मोतियों की हल्की डिटेलिंग थी।

पल्ला के पास अब छह लेन का बनेगा आरओबी, ग्रेनो-दादरी का रास्ता होगा सुगम

आरओबी को बनाने में खर्च होंगे 194 करोड़ रुपए

नोएडा। मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब (एमएमटीएच) को आपस में जोड़ने तथा दादरी व ग्रेटर नोएडा के बीच सफर आसान को आसान बनाने के लिए पल्ला के पास रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) अब छह लेन का बनेगा। इसे चार लेन का बनाया जा रहा था। आईआईटीजीएनएल की पहल पर दो लेन और बढ़ाने की स्वीकृति मिल गई है। इस दो लेन का खर्च आईआईटीजीएनएल वहन करेगा।

दरअसल, आईआईटीजीएनएल (इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा लिमिटेड) की तरफ से बोड़ाकी के पास मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब विकसित किया जा रहा है। यह बोड़ाकी रेलवे स्टेशन के दोनों तरफ है। एमएमटीएच में तीन अहम परियोजनाएं, बोड़ाकी हाल्ट की जगह ग्रेटर नोएडा रेलवे टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही अंतरराज्यीय व लोकल बस अड्डा और मेट्रो कनेक्टिविटी की सुविधा भी होगी।

पूर्व की ओर जाने वाली 50 से अधिक ट्रेनें ग्रेटर नोएडा टर्मिनल से चलेंगी, जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल आदि की ओर जाने वाले यात्रियों को बड़ी सहूलियत हो जाएगी। उन्हें दिल्ली, नई दिल्ली व आनंद विहार रेलवे स्टेशन जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस तरह अंतरराज्यीय व लोकल बस अड्डा बन जाने से उद्योगों में काम करने वालों के लिए अपने घर जाना आसान हो जाएगा। यहीं से लोकल बसें भी मिला करेंगी।

इसके अलावा नोएडा-ग्रेटर नोएडा को जोड़ते हुए डिपो स्टेशन से मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब तक मेट्रो कनेक्टीविटी भी होगी। इन परियोजनाओं की कागजी प्रक्रिया अंतिम चरण में है। अगले छह माह में यह सभी परियोजनाओं का निर्माण शूरू करने की तैयारी है। इस बीच पल्ला के पास रेलवे लाइन पार करने के लिए रेलवे की तरफ से चार लेन का ओवरब्रिज बनाया जा रहा है।

आईआईटीजीएनएल ने इस ओवरब्रिज को छह लेन बनाने के लिए प्रयास किया। आईआईटीजीएनएल के प्रबंध निदेशक और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने इसके लिए उत्तर प्रदेश शासन और भारत सरकार से निरंतर प्रयास किए।

अब इसका लाभ मिल गया है। इस ओवरब्रिज को छह लेन का बनाने को मंजूरी मिल गई है। इस पर कुल खर्च लगभग 194 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं, जिसमें से करीब 75 करोड़ रुपये ग्रेटर नोएडा और शेष रकम डी एफ सी सी वहन कर रहा है। इस पर काम पहले ही शुरू हो चुका है। अगले डेढ़ साल में इसका निर्माण पूरा हो जाने की उम्मीद है।

पुल बनने से होंगे कई अहम फायदे

पुल के बन जाने से कई फायदे होंगे। एक तो पश्चिमी क्षेत्रों जैसे ग्रेटर नोएडा, नोएडा, दिल्ली आदि की तरफ से आने वाले लोगों के लिए ग्रेटर नोएडा रेलवे टर्मिनल तक पहुंचना आसान हो जाएगा। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा की 105 मीटर रोड को भी एनएच-91 से जोड़ा जा रहा है, जिससे दादरी एवम ग्रेटर नोएडा फेस 2 के क्षेत्रों से एमएमटीएच के बीच आवाजाही आसान हो जाएगी। 105 मीटर रोड को एनएच-91 से जोड़ने के लिए 60 मीटर चौड़ी रोड बनाने का जल्द शुरू होने जा रहा है। इसकी टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा रही है। ग्रेटर नोएडा फेस टू इसी तरफ बसाने की योजना पर काम चल ही रहा है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ और आईआईटीजीएनएल के प्रबंध निदेशक एनजी रवि कुमार का कहना है कि पल्ला-बोड़ाकी के पास निमार्णाधीन रेलवे ओवरब्रिज से न सिर्फ एमएमटीएच को लाभ होगा, बल्कि ग्रेटर नोएडा-दादरी के बीच रोजाना सफर करने वाले हजारों लोगों को बहुत सहूलियत हो जाएगी। ग्रेटर नोएडा फेस टू भी इसी तरफ बसाया जाना है, उसके लिए भी यह पुल मील का पत्थर साबित होगा।

सेक्टर-55 आरडब्ल्यूए ने प्राधिकरण अफसरों के समक्ष रखीं समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-55 आरडब्ल्यूए परिसर में नोएडा अथॉरिटी के समस्त विभागों के समस्त अधिकारियों के समक्ष कई समस्याएं रखी गईं। लोगों ने सेक्टर की टूटी हुई ग्रीनबेल्ट, रेलिंग तथा कटीले तारों की फेसिंग, ब्लॉक ग्रीन बेल्ट में अवैध झुग्गियों की बसावट एवं अतिक्रमण तथा ग्रीन बेल्ट में सेक्टर की तरफ से सेक्टर की सुरक्षा में बाउंड्री वॉल, सेक्टर में नालियों का स्लैब व टूटी हुई टाइल की मरम्मत, सेक्टर की बाउंड्री वॉल के पीछे वेंडिंग जोन के कारण सेक्टर में दीवार फांदकर असामाजिक तत्वों द्वारा बार-बार होने वाली असुरक्षित गतिविधि, हॉर्टिकल्चर विभाग द्वारा पेड़ों की ट्रीमिंग ना होने की समस्या, सेक्टर की समस्त मार्केट में प्रकाश की व्यवस्था ना होना तथा उनका सौंदर्य करण न होना, सेक्टर के समस्त पार्कों की बदहाल स्थिति, ग्रीन बेल्ट में बड़ी-बड़ी झाड़ियां एवं उनकी स्वच्छता, खाली पड़े भूखंडों में गंदगी एवं बड़े-बड़े झाड़यिो की समस्या, पूरे सेक्टर में एक भी शौचालय का ना होना इत्यादि समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा गया।

आरडब्ल्यूए सेक्टर-55 अध्यक्ष सत्यनारायण गोयल ने भी अधिकारियों के समक्ष सेक्टर की समस्त समस्याओं को मौखिक एवं पत्र के माध्यम से संबोधित किया।

इस मौके पर नोएडा अथॉरिटी के समस्त विभाग के जनस्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल, ज्ञानेंद्र, वर्क सर्किल-1 के वरिष्ठ प्रबंधक डोरीलाल वर्मा, अमरजीत तथा फोनरवा महासचिव के.के. जैन, प्रदीप बोहरा, भूषण शर्मा एवं आरडब्ल्यूए सेक्टर-55 की समस्त कार्यकारिणी टीम व सेक्टर-55 के निवासी उपस्थित रहे।

जीबीयू व डेटन विवि के बीच एमओयू हस्ताक्षरित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) और डेटन विश्वविद्यालय, यूएसए (यूडी) ने कुलपति प्रोफेसर रवीद्र कुमार सिन्हा के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक समझौंता ज्ञापन (404) पर हस्ताक्षर करके एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि हासिल की। यह कार्यक्रम गौंतम बुद्ध विश्वविद्यालय में हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य अनुसंधान और विकास (2790) को आगे बढ़ाना है।

जीबीयू के रजिस्ट्रार डॉ. विश्वास त्रिपाठी और प्रो. डार्लीन वीवर, प्रोवोस्ट और अकादमिक मामलों के कार्यकारी उपाध्यक्ष ने जीबीयू में विभिन्न अध्ययन विद्यालयों के डीन और अन्य आमंत्रितों की उपस्थिति में समझौंता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समारोह में यूडी में इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स विभाग के प्रोफेसर एंड्रयू सारंगन और प्रोफेसर पार्था पी. बनर्जी, जीबीयू के रजिस्ट्रार डॉ. विश्वास त्रिपाठी और प्रोफेसर एन.पी. मेलकानिया, डीन, अकादमिक, जीबीयू विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान, प्रोफेसर सिन्हा ने जीबीयू के उन छात्रों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए, जिन्होंने 'फंडामेंटल्स ऑफ इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स' पर एक विशेष कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसे एप्लाइड फिजिक्स विभाग, यूएसओएसवीएसएएस, जीबीयू और यूडी द्वारा सत्र 2023-2024 के लिए संयुक्त रूप से चलाया गया था।

एमएसएमई एसोसिएशन ने यीडा के सीईओ को 10 सूत्रीय पत्र भेजा

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्र ओखला के विकल्प के रूप में नोएडा यानि नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण अस्तित्व में आया, लेकिन गलत नीतियों और प्राधिकरण में फैले भ्रष्टाचार के कारण देखते ही देखते यह औद्योगिक शहर बिल्डर, भूमाफिया और फाइनेंसर विकास प्राधिकरण के रूप में तब्दील हो गया। कम से कम यमुना क्षेत्र के साथ ऐसा न हो इसको लेकर ठोस योजनाएं बनाने की जरूरत है। एमएसएमई इंड्स्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह नाहटा ने यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ डा. अरूणवीर सिंह को 10 सूत्रीय सुझाव पत्र भेजा है।

पत्र में उन्होंने बताया कि देश और विदेश की कंपनियों को आकर्षित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरणों को उत्तर प्रदेश की शो विंडो के रूप में पेश कर रही है। लेकिन इस क्षेत्र के प्रति आकर्षण बनाए रखना सरकार के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। औद्योगिक शहर नोएडा के बिगड़ रहे हालात से सबक लेते हुए यमुना क्षेत्र को औद्योगिक विकास के लिए तैयार किए जाने की जरूरत है। नोएडा में उद्योग चला रहे उद्यमी जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, भविष्य में ऐसी समस्याएं यमुना क्षेत्र में उद्योगों के विकास में बाधा न बनें। इसके लिए संस्था की तरफ से कुछ सुझाव भी दिए गए हैं।

यूपीओए क्विज में डा. राहुल गुप्ता को मिला तीसरा स्थान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा निवासी डॉ. राहुल गुप्ता ने क्विज प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर क्षेत्र, समाज व परिवार कस नाम रोशन किया है।

यूपीओए क्विज इन गोरखपुर में उत्तर प्रदेश के मेडिकल कॉलेज के आर्थोपेडिक विभाग के दो दो-प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें नोएडा प्राधिकरण के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रवन्धक(सिविल) एससी गुप्ता के पुत्र डॉ. राहुल गुप्ता व अन्य साथी डॉक्टर ने लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज की ओर से प्रतिभाग किया था।

इस क्विज प्रतियोगिता में डॉ. राहुल गुप्ता के तृतीय स्थान प्राप्त करने पर कालेज के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एवं अन्य विभागों के सहपाठियों ने इस उपलब्धि पर बधाई दी। साथ ही उनके नोएडा आगमन पर शनि सेवा समिति, सेक्टर-14ए के अध्यक्ष मानसिंह चौहान सहित समिति के पदाधिकारियों व प्रचार मंत्री राजीव मिश्रा ने बधाई दी।

केजरीवाल की जमानत पर आप ने लड्डू बांटे

नोएडा (चेतना मंच)। आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने पर पार्टी कार्यालय नोएडा गौतमबुद्धनगर में AAP कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने आपस में एक दूसरे को लड्डू खिलाकर जश्न मनाया। एक-दूसरे को बधाई दी और लड्डू वितरण किए।

गौतमबुद्धनगर जिला अध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा जिले में पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के अन्दर अरविंद केजरीवाल के आने पर कई गुना संगठन को मजबूत करने का उत्साह और जज्बा देखने को मिला।

आज अरविंद केजरीवाल ने अपनी ईमानदारी और सत्य की ताकत की बदौलत तानाशाह को झुका दिया है।

इस अवसर पर जिला महासचिव कैलाश शर्मा ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलदार अंसारी, AYW सचिव अमर सिंह चौहान, जिला उपाध्यक्ष नवीन भाटी, अंकित पाल, राकेश कटोरिया, बोला, अजय, नरेंद्र, अनुज आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राहुल पर की गई टिप्पणी पर कांग्रेस का आक्रोश फूटा

जब ट्वीटर हैक हो गया तो डीएम ने उसे डिलीट कैसे किया : गौतम अवाना

नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर के कार्यकर्ताओं ने आज सूरजपुर कलेक्ट्रेट पर जिला अधिकारी की अविवेकपूर्ण कार्यशैली के विरोध में आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने किसान कांग्रेस के जिला चैयरमैन गौतम अवाना के नेतृत्व में एकजुट होकर जिला अधिकारी गौतमबुद्ध नगर सोशल मीडिया के ट्वीटर खाते से विपक्ष के नेता राहुल गाँधी को लेकर की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक सुर में यह सवाल उठाया कि यदि जिला अधिकारी का सोशल मीडिया खाता हैक हो गया था तो कैसे वह आपत्तिजनक ट्वीट तुरंत डिलीट कर दिया गया, यह तथ्य जो बताया गया है यह सन्देहप्रद है।

गौतम अवाना ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि सरकारी प्रसाशनिक अधिकारी सरकार की चरण वंदना में लगे हैं। प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जिला अधिकारी के अवकाश पर होने के कारण अपर जिला अधिकारी से वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

जिला कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिला अधिकारी से वार्ता के दौरान गौतम अवाना, निशा शर्मा, दुष्यन्त नागर समेत मौजूद वरिष्ठ नेताओं ने अपनी बात रखी व शीघ्र विभिन्न मुद्दों को लेकर जिला अधिकारी से वार्ता की माँग रखी जिसे अपर जिला अधिकारी ने स्वीकार कर शीघ्र वार्ता कराने का आश्वासन दिया।

प्रदर्शन और वार्ता में रिजवान चौधरी, सतीश शर्मा, धर्मसिंह बाल्मीकि, दुष्यंत नागर, निशा शर्मा, नीरज लोहिया एडवोकेट, कल्पना सिंह, कपिल भाटी एडवोकेट, गौतम सिंह, देवेश चौधरी, गौरव लोहिया, नीतीश चौधरी, सतपाल फौजी, अरविन्द रेक्सवाल, रमेश बाल्मीकि, सुबोध भट्ट, मुकेश शर्मा, बिन्नू नेता, सचिन भाटी, के0के भाटी एडवोकेट, मोहित भाटी एडवोकेट राजू सिंह, विवेक अवाना, कपिल, प्रथम शर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।